अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 99 लखनऊ, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बुलंदशहर में मंदिर से 55 घंटे चोरी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के पहासू क्षेत्र में स्थित ग्राम खेड़ा के प्राचीन चावंड मंदिर से अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के पीतल के 55 घंटे चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मंदिर के पुजारी चंदन महाराज ने सोमवार रात लगभग 12 बजे मंदिर के कपाट बंद कर विश्राम किया था। प्रातः आरती के लिए जब उन्होंने कपाट खोले तो मंदिर में लगे सभी पीतल के घंटे गायब मिले। पुजारी ने तत्काल ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने मंदिर में स्थित भगवान की पीतल की मूर्ति उखाड़ने का भी प्रयास किया, परंतु असफल रहे। पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही चोरी का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नौसेना ने पाकिस्तानी युद्धपोतों को उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढने दिया : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की तैयारियों, पेशेवर क्षमता और ताकत की सराहना करते हुए गुरूवार को कहा कि भारतीय नौसेना के दम-खम के कारण पाकिस्तानी नौसेना के युद्धपोत उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढ पाये। श्री सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए जोर देकर कहा कि यह दुनिया के लिए संदेश है कि भारत किसी भी तरह की चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है। रक्षा मंत्री ने यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने नौसेना की संचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी।

बांग्लादेश से जल्द छूट कर वापस आएंगे मछुआरे : राममोहन नायडू

श्रीकाकुलम। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि गलती से बांग्लादेशी जलक्षेत्र में प्रवेश करने वाले विजयनगरम जिले के मछुआरों को वहां से छुड़वा कर जल्द ही सुरक्षित वापस लाया जाएगा। केंद्र सरकार इसके लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू गुरुवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बुधवार की रात विदेश मंत्री जयशंकर से चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि मछुआरों की सुरक्षित वापसी के लिए केंद्र सरकार की ओर से सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

एक्सप्रेस-वे पर हर 100 किमी पर छोटी फायर चौकी स्थापित की जाये : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- फायर सर्विस विभाग में 98 राजपत्रित और लगभग 922 अराजपत्रित नए पद सृजित होने का रास्ता साफ
- राज्य की फायर सर्विस में आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू और आपात सेवाओं को शामिल करने की जरूरत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक तथा जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को यहां एक बैठक में अग्निशमन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री केनिर्देशों के बाद विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 तथा अराजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बॉयोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं तथा सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउंट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेंडर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके। बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

बिहार में जंगलराज नहीं, जनविश्वास का राज: नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार की पिछली सरकारों से तुलना की और कहा कि अब बिहार में डर नहीं बल्कि विकास है। उन्होंने पिछली सरकारों से तुलना करते हुए कहा, ह्लआज बिहार में जंगलराज नहीं, जनविश्वास का राज है और हर बिहारी गर्व से कहता है- मैं बिहारी हूं।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर बिहार के लोगों के अपमान को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस और आरजेडी को जवाब देना चाहिए कि उनके साथी दल बिहार के लोगों को क्यों अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और एनडीए सरकार बिहार को अंधेरे से निकालकर जनविश्वास के युग में लाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के युवा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार में आज सड़क, पुल, रेलवे, मेट्रो और एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएं नई संभावनाएं पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश और बिहार में स्थिर सरकार होने से विकास की रफ्तार तेज हुई है। बिहार में अस्पताल, स्कूल और रेलवे रूट तेज़ी से बन रहे हैं। आज बिहार का हर नौजवान कह रहा है कि 'रफ्तार पकड़ चुका है बिहार, फिर से एनडीए सरकार'। इस अवसर पर उन्होंने बिहारवासियों को भाई-दूज और चित्रगुप्त पूजा की शुभकामनाएं दीं।

चुनाव आयोग का निर्देश

सीईओ एआईआर तैयारियों को दें अंतिम रूप, चुनावी राज्यों पर विशेष जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़ी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) की राष्ट्रव्यापी तैयारियों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) का दो दिवसीय सम्मेलन आज यहां संपन्न हुआ। इसमें चुनाव आयोग ने सीईओ को अपने-अपने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में हुआ। इसमें आयोग ने राज्य व केंद्र शासित प्रदेश में वर्तमान मतदाताओं को पिछले एसआईआर के अनुसार मतदाताओं के साथ जोड़ने के लिए सीईओ को पहले जारी किए गए निर्देशों पर हुई प्रगति का आकलन किया। आयोग ने असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे चुनावी राज्यों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ भी व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में की। देश भर के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया।

तीनों सेनाओं के लिए 79 हजार करोड़ से खरीदे जाएंगे हथियार

एजेंसी

- डीएसी की बैठक में लिए गए फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2 खरीदने से दुश्मन के लड़ाकू वाहनों को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी।

साउथ ब्लॉक में बैठक के दौरान लगभग 79 हजार करोड़ रुपये की राशि के विभिन्न सेवाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम (जीबीएमईएस) और मैटेरियल हैंडलिंग क्रेन के साथ हाई मोबिलिटी व्हीकल्स (एचएमवी) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। नाग मिसाइल सिस्टम से भारतीय सेना की दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य क्षेत्रीय किलेबंदी को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी, जबकि जीबीएमईएस दुश्मन के बारे में 24 घंटे इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी देगा। एचएमवी को शामिल करने से विविध भौगोलिक इलाकों में सशस्त्र बलों को रसद सहायता में काफी सुधार होगा।

भारतीय नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफ़ेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी), इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए स्मार्ट गोला-बारूद खरीदा जाना है। एलपीडी की खरीद से भारतीय नौसेना को भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ उभयचर अभियान संचालन करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत आदि में भी आसानी होगा। डीआरडीओ के नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला में स्वदेशी रूप से विकसित एएलडब्ल्यूटी पारंपरिक, परमाणु और छोटी पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है। डीएसी की बैठक में भारतीय वायु सेना के लिए लंबी दूरी तक लक्ष्य साधने वाली विनाश प्रणाली और अन्य प्रस्तावों के लिए एओएन प्रदान किया गया। यह प्रणाली स्वचालित टेक-ऑफ, नेविगेशन, लक्ष्य का पता लगाने और पेलोड पहुंचाने में सक्षम है, जिससे वायु सेना को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

इस बार का चुनाव 'विकास' और 'विनाश' के बीच की लड़ाई है : जेपी नड्डा

एजेंसी

पटना। बिहार में वैशाली जिले के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र में अपनी दूसरी जनसभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जन-जन का यह उमंग व उत्साह भाजपा और राजग के लिए प्रदेशवासियों के अनन्य प्रेम और समर्थन का प्रतिबिंब है। जेपी नड्डा ने कहा कि इस बार का चुनाव 'विकास' और 'विनाश' के बीच की लड़ाई है। राजद ने पूरे 20 साल जंगलराज चलाया है तो वहीं कांग्रेस नेताओं ने बिहारवासियों का हमेशा से अपमान किया है। जेपी नड्डा ने कहा कि लालू और तेजस्वी यादव अपने कुशासनकाल के बारे में एक शब्द तक नहीं बोलते। दुर्भाग्य है कि अपने भ्रष्ट और अंधकार युग के लिए बिहार की जनता से उन्होंने माफी तक नहीं मांगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार में बिहार सुख, चैन, शांति, अमन के साथ विकास की ओर बढ़ चला है। सड़क से लेकर एयरपोर्ट तक बिहार में विकास की एक नई कहानी लिखी जा रही है। बिहार में जनता जनार्दन का उत्साह और समर्थन ये बता रहा है कि प्रदेश की जनता ने महागठबंधन के विनाश को सिरे से नकारकर एनडीए के विकास पर मुहर लगाने का मन बना लिया है। जेपी नड्डा ने कहा कि एक तरफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) है जो बिहार को आगे बढ़ा रहा है और दूसरी तरफ आईएनडीआईए ब्लॉक है जो उसे विनाश की ओर ले जाना चाहता है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक परजीवी पार्टी है, जो अपने सहयोगी दलों को खत्म कर देती है।

महागठबंधन में तेजस्वी मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी होंगे उपमुख्यमंत्री का चेहरा : अशोक गहलोत

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर गुरुवार को महागठबंधन की संयुक्त प्रेसवार्ता में बिहार की राजनीति का सबसे बड़ा ऐलान हुआ। कांग्रेस समेत गठबंधन के सभी दलों ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है।

पटना में आयोजित महागठबंधन की साझा पत्रकार वार्ता में बिहार कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ह्लराहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की राजामंदी के बाद तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है। तेजस्वी युवा नेता हैं और बिहार को नई दिशा देंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि अमित शाह समेत भाजपा के तमाम नेता बिहार आते हैं, लेकिन यह नहीं बता पाते कि उनका मुख्यमंत्री चेहरा कौन होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है, बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं। अशोक गहलोत ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी की भूमिका पर भी भरोसा जताते हुए कहा कि उन्होंने (मुकेश सहनी ने) मेहनत से अपनी समाज और राजजनीति में जगह बनाई है। वह महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता एक दिन में 50 अंक बेहतर हुई : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर अभियान और तेज कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में पूरे साल चौबीसों घंटे के लिए लागू की गई रणनीति नतीजे दे रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) आज 305 पर है जो कल से लगभग 50 अंक बेहतर है। ये सुधार साफ दिखाता है कि तेज जमीनी स्तर पर प्रदूषण के खिलाफ की गई कार्रवाई से फर्क पड़ रहा है। सभी विभागों को प्रदूषण के हॉटस्पॉट्स पर लगातार नजर रखने और ग्रीन वॉर रूम के जरिए मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिरसा ने कहा कि करीब 2000 टीमें दिन-रात ग्राउंड पर काम कर रही हैं। दिल्ली का मॉडल सिर्फ सर्दियों के लिए नहीं, बल्कि सालभर की जवाबदेही और पारदर्शिता पर आधारित है। उन्होंने आगे बताया कि दिल्ली सरकार मौजूदा प्रयासों के साथ भविष्य की तैयारी पर भी काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हमारे प्रयास सिर्फ आज के लिए नहीं हैं, बल्कि आने वाले समय को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं। जल्द ही 70 नए मैकेनाइज्ड स्वीपर, 70 अतिरिक्त एंटी-स्मॉग गन, वाटर स्प्रिंकलर और 140 लिटर पिकर लगाए जा रहे हैं जो 1440 किलोमीटर सड़कों को कवर करेंगे।

उत्तर रेलवे ने छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए किए विशेष प्रबंध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों, विशेषकर देश के पूर्वी भागों में छठ पर्व मनाने के लिए जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया (टेंटेज) स्थापित किए गए हैं। इन होल्डिंग एरिया में यूटीएस टिकट काउंटर, शौचालय, एटीवीएम, खानपान स्टॉल, ''क्या मैं आपकी मदद कर सकता/सकती हूँ'' बूथ, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था है। पर्याप्त रेलवे कर्मचारी यात्रियों का मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। ''सुरक्षित और स्वस्थ यात्रा'' के आदर्श वाक्य के साथ, दिल्ली मंडल के चिकित्सा विभाग ने त्योहारों की भीड़ के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किए गए हैं - नई दिल्ली (यात्री सुविधा केंद्र सहित चार बूथ), पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद - इनमें से प्रत्येक स्टेशन पर चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा दल मौजूद हैं। इन सुविधाओं ने प्राथमिक उपचार से लेकर आपातकालीन स्थिति (18.10.2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शिशु के सुरक्षित प्रसव सहित) तक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है, जिससे 16 अक्टूबर 2025 और 21 अक्टूबर 2025 के बीच 634 से अधिक रेल यात्रियों को लाभ हुआ है। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नागरिक सुरक्षा कर्मी और उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कर्मी सहित अधिकारियों की तैनाती की गयी है । और वे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं आदि का निरंतर मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं।

दिनांक 21.10.2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हज़रत निज़ामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,69,986 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के अगले दिन 01.11.2024) की तुलना में 5.62% की वृद्धि है। इसी प्रकार, 22 अक्टूबर 2025 को दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों से 1,71,753 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के दूसरे दिन 02 नवंबर 2024) की तुलना में 7.01% की वृद्धि है। आज, 6 गुजरने वाली विशेष ट्रेनों के अलावा, 30 विशेष ट्रेनें (नई दिल्ली से 9, दिल्ली जंक्शन से 3, आनंद विहार टर्मिनल से 8, हज़रत निज़ामुद्दीन से 3, शकूरबस्ती से 5, रोहतक से 1 और शामली से 1) दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से चलाई गयी । कल, 24 अक्टूबर को, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 17 विशेष ट्रेनें संचालित होंगी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों का बड़ा अड्डा बन रहा लखनऊः ब्रजलाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अपने फ़ेसबुक पेज पर एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखकर मुख्यमंत्री से की अपील
- भारत में बांग्लादेशी, रोहंगिया की घुसपैठ एक अंतरराष्ट्रीय साज़िशः ब्रजलाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक और वर्तमान में भाजपा से राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बांगलादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या और इनके अपराधिक कृत्यों पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने लखनऊ में रह रहे इन बांग्लादेश के नागरिकों को देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री से इन्हें वापस भेजने की अपील की है।

पूर्व पुलिस महानिदेशक और भाजपा सांसद ब्रजलाल ने आज अपने फ़ेसबुक पेज पर एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है। पूर्व डीजीपी ने सुबह टहलने के दौरान ऐसे कुछ महिलाओं और पुरुषों से बातचीत कर उनके मूल निवास के बारे में जानकारी भी करने की बात कही है। यह लोग खुद को असम का निवासी होने का दावा कर रहे थे, जबकि एक जमाने में खुद पीएसी बटालियन का नेतृत्व करते हुए उन्होंने असम में लंबा समय बिताय था। उन्हें वहां की भौगोलिक स्थित के बारे में पूरी तरह से जानकारी है। ब्रजलाल ने इन लोगों बांग्लादेश का नागरिक बताते हुए नगर निगम लखनऊ और स्थानीय पुलिस प्रशासन की मंशा पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ही इस पर सख्त फैसला लेकर इन बांग्लादेशियों को वापस भेज सकते हैं।

अब पढ़िए क्या कुछ लिखा है- पूर्व पुलिस महानिदेशक ब्रजलाल ने अपनी पोस्ट में लिखा है, ''मैं गोमतीनगर विस्तार में जब सुबह वॉक करता हूँ तो मुझे ये बांग्लादेशी सफ़ाई करते हुए मिलते हैं। ये अपने को असम का निवासी बताते हैं, परंतु ये सब है अनाधिकृत रूप से रह रहे बांग्लादेशी। पूरे लखनऊ में ये झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहते हैं। दुखद यह है कि लखनऊ नगर निगम ने इन्हें सफ़ाई कर्मी के रूप में तैनात कर रखा है। गोमतीनगर विस्तार में ख़ाली ज़मीनों और गोमती नदी की तलहटी, नालों के किनारे इनकी बहुत सी झोपड़ियाँ मिल जायेंगी। इनके बारे में न तो लखनऊ पुलिस को चिंता है और न नगर निगम को। नगर निगम ने तो इन्हें सफ़ाईकर्मी बनाकर अलग से

मान्यता दे रखी है। ये अपने को असम के बोंगाई गांव का निवासी बताते हैं और कुछ नलबाड़ी, बरपेटा और नौगांव का। भाजपा नेता ब्रजलाल ने लिखा, ''असम में यह वही स्थान हैं जहां कांग्रेस सरकारों में इन्हें वोट-बैंक के तौर पर योजनाबद्ध तरीक़े से बसाया गया था। इंदिरा गांधी इन्ही बांग्लादेशियों के सहारे 1983 का असम चुनाव जीतना चाहती थीं, जिनकी संख्या उस समय लगभग 40 लाख थी। आल असम स्टूडेंट यूनियन , आल असम गण संग्राम की मांग थी कि पहले इन विदेशियों को बाहर करो, तब विधानसभा का चुनाव कराओ। इंदिरा अपनी ज़िद पर अड़ी रहीं, जिसके परिणामस्वरूप 12 फ़रवरी 1983 को नेल्ली दंगा हुआ, जिसने तीन - चार हजार लोग मारे गये थे। उन्होंने लिखा, ''लखनऊ में रह रहे ये बांग्लादेशी देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा हैं। जब से बांग्लादेश में कट्टरपंथियों और पाकिस्तान समर्थक सरकार बनी है, यह खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। बांग्लादेशी अपराधी गैंग डकैती, चोरी जैसी घटनाये कर रहे हैं। इतना ही नहीं बांग्लादेशी आतंकी संगठन हरकत-उल-जिहाद- अल- इस्लामी (हूजी) ने देश में कई आतंकी घटनाए की हैं, जिसमें उत्तरप्रदेश भी शामिल है। ख़ूँख़ार हूजी आतंकी बाबू भाई आदि अब भी उत्तरप्रदेश की जेल में हैं। 23 अक्टूबर 2007 को लखनऊ, वाराणसी , अयोध्या की न्यायालयों में हुये बम-ब्लास्ट में हूजी का भी हाथ था। बांग्लादेशी आतंकी संगठन जमात-उल- मुजाहिदीन बांग्लादेश भारत में भी सक्रिय है। उन्होंने चिंता जताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, ''अगर इन अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को भारत से नहीं भगाया तो बांग्लादेशी आतंकी संगठनों को लखनऊ सहित देश में ठिकाना बनाने में मदद मिलेगी। लखनऊ की इन बांग्लादेशियों की झोपड़ियों में बहुत से बच्चे भी मिलेंगे। लखनऊ के चौराहों पर बांग्लादेशी महिलायें-बच्चे गुब्बारे, खिलौने और भीख मांगते मिल जाएंगे। भाजपा नेता ने कहा कि उत्तरप्रदेश में केवल योगी आदित्यनाथ ही कड़ा निर्णय लेकर इन्हें वापस बांग्लादेश भेज सकते हैं। पुलिस को भी इनकी जांच में पर्याप्त जानकारी नहीं है। इनके डॉक्यूमेंट लेकर असम में टीम बनाकर भेजना चाहिए, तभी पूरी जानकारी मिल सकेगी। अपने को असम के बताने वाले इन बांग्लादेशियों की दूसरी-तीसरी पीढ़ी का भी पता नहीं चलेगा क्योंकि ये सभी घुसपैठिए है। भारत में बांग्लादेशी, रोहंगिया का घुसपैठ एक अंतरराष्ट्रीय साज़िश का हिस्सा है जो भारत को एक इस्लामिक राष्ट्र(ग़ज़वा-ए-हिन्द) बनाना चाहता है।

लोनिवि चालक संघ चुनाव 8 एवं 9 नवम्बर को होगा

लखनऊ। राजकीय परिवाहन चालक संघ लोक निर्माण विभाग की द्विवार्षिक अधिवेशन की घोषणा समयानुसार वर्तमान कार्यकारिणी ने कर दी है। लोक निर्माण विभाग विश्वैश्रैया प्रेक्षागृह में अधिवेषन 8 एवं 9 नवम्बर 25 को सम्पन्न होगा। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष शिव कुमार यादव एवं महामंत्री सुभाष चन्द्र मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि प्रान्तीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी शिव कुमार यादव अध्यक्ष और सुभाष मिश्र महामंत्री,प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सिंह रावत, उपमंत्री शकील अहमद, संयुक्त मंत्री वीरेद्र सिंह, संगठन मंत्री बेचन प्रसाद, प्रसार मंत्री शफीक हुसैन, कोषाध्यक्ष अजय बिसारिया, सम्प्रेक्षक राजकुमार की उपस्थिति में समयानुसार अधिवेशन कराये जाने का निर्णय पिछली बैठक में लिया गया था। इस द्विवार्षिक अधिवेशन के लिए मुख्य अभियंता कार्यालय से प्रदेश के सभी वाहन चालकों के लिए 8 एवं 9 नवम्बर 25 का विशेष आकस्मिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। अधिवेशन में प्रत्येक जनपदों से नियमानुसार सदस्यों को आमंत्रित किया जा चुका है।

ऑनलाइन हाजिरी में छात्र शिक्षकों से बेहतर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यूपी में शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी में ज्यादा रूचि नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक स्कूलों के पठन-पाठन को बेहतर बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार न सिर्फ स्कूलों को संसाधनों से लैस कर रही है बल्कि शिक्षकों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इस दिशा में आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का नियम लागू किया गया है, जिससे शिक्षकों की हाजिरी की पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में शिक्षकों की इस प्रक्रिया में रुचि कम देखने को मिल रही है।राज्य परियोजना कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 1,32,643 स्कूलों में 6,12,642 शिक्षक हैं, लेकिन पहली पाली में केवल 93 और दूसरी पाली में सिर्फ 58 शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराई है। यह संख्या कुल शिक्षकों का महज 0.01 प्रतिशत बनती है। प्रयागराज जिले में 2,839 स्कूल और 15,264 शिक्षक हैं, लेकिन पहली पाली में केवल 4 और दूसरी पाली में 1 शिक्षक ने ही ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की। चित्रकूट, फर्रुखाबाद, बदायूं, हाथरस, लखनऊ, हरदोई, सीतापुर जैसे जिलों में शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी न के बराबर है। कई जिलों में तो एक भी शिक्षक ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है, जो शिक्षा विभाग के लिए चिंता का विषय है।बीएसए प्रयागराज देवव्रत सिंह के मुताबिक शिक्षक विश्वसनीयता बढ़ाने और दूसरों के लिए प्रेरणा बनने के लिए शत प्रतिशत ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करें। इस दिशा में विभाग ने टैबलेट और सिमकार्ड भी शिक्षकों को उपलब्ध कराए हैं ताकि तकनीकी समस्या न आए। उनका मानना है कि इस कदम से शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और कार्यशैली में सुधार होगा।जहां शिक्षकों की उपस्थिति न्यूनतम है, वहीं विद्यार्थियों की ऑनलाइन हाजिरी की स्थिति बेहतर है। सीएम डैस बोर्ड में ऑनलाइन उपस्थिति को शामिल किया गया है, जिसके आधार पर जिलों की रैंकिंग की जाती है। आंकड़ों के अनुसार प्रयागराज मंडल में विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति 50.19 प्रतिशत है, जो प्रदेश में सबसे अच्छी स्थिति है। कौशांबी में यह आंकड़ा 85.50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जबकि प्रतापगढ़ में यह 8.8 प्रतिशत ही है।

बेसिक और माध्यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर होगी वापसीः पार्थसारथी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक और माध्यमिक शिक्षक मूल तैनाती पर वापस होंगे। योगी सरकार ने नियमों के विरुद्ध शिक्षकों और कर्मियों की मूल पद से इतर संबद्धता को समाप्त कर मूल पदों पर भेजने का निर्देश दिया है। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा ने शासनादेश में कहा है कि संबद्ध शिक्षकों और कर्मियों को तुरंत उनके मूल पदों पर भेजा जाए। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से 10 दिन में इसकी रिपोर्ट मांगी है।अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि शासन की अनुमति के बिना अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा जिन शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उनके मूल तैनाती से इतर संबद्ध किया गया है, उनका संबद्धीकरण आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर मूल स्थान पर वापस भेजा जाए। यह भी कहा गया है कि भविष्य में शासन की अनुमति के बिना किसी भी शिक्षक, अधिकारी या कर्मचारी को ऐसे स्थान पर संबद्ध न किया जाए जहां उनकी मूल तैनाती न हो। कहा गया है कि निर्देशों का तत्काल पालन किया जाए।उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के करीब 4500 शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी अपने मूल विद्यालयों से इतर कार्यालयों और अलग-अलग संस्थानों में संबद्ध हैं।

सड़क पर युवक से नाक रगड़वाने वाले बीजेपी नेता की पार्टी सदस्यता रद्द

लखनऊ। मेरठ में सड़क पर युवक से नाक रगड़वाने के मामले में बीजेपी ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी ने आरोपी नेता विकुल चपराना की सदस्यता रद्द कर दी है। विकुल चपराना मेरठ बीजेपी किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष थे।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें विकुल चपराना एक युवक से सड़क पर नाक रगड़वा रहे थे, जबकि मौके पर मौजूद पुलिस मूकदर्शक बनी रही। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल उठे और मामले ने तूल पकड़ लिया। विवाद गाड़ी निकालने को लेकर हुआ था। आरोप है कि झगड़े के दौरान विकुल चपराना ने शराब के नशे में दो युवकों के साथ मारपीट की और उन्हें अपमानित किया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी नेता को गिरफ्तार कर लिया। राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

यूपी में धान की सरकारी बिक्री के लिए पौने दो माह में 1.37 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीकरण

- 23 दिन के भीतर पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों से हुई 35.63 हजार मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की नीतियों को अन्नदाता किसानों का साथ मिल रहा है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। खरीद सत्र 2025-26 में धान बिक्री के लिए पहली सितम्बर से किसानों द्वारा पंजीकरण शुरू किया गया। 23 अक्टूबर (दोपहर 12 बजे) तक 1,37,166 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। योगी सरकार ने 4000 क्रय केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 3790 क्रय केंद्र स्थापित हो गए हैं। यह केंद्र किसानों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर यह खरीदारी कर रही है। 1.37 लाख से अधिक किसानों ने करा लिया पंजीकरणखाद्य व रसद विभाग के मुताबिक धान बिक्री के लिए किसान तेजी से पंजीकरण करा रहे हैं। 23 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे तक 1.37 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। www.fcs.up.gov.in और मोबाइल ऐप यूपी किसान मित्र पर पंजीकरण किया जा रहा है। धान की बिक्री के लिए ओटीपी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23 दिन में 35.63 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई खरीदपहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में खरीद हो रही है। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद हो रही है। योगी सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है। 23 दिन में इन संभागों में 35.63 हजार मीट्रिक टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है। डबल इंजन सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में की वृद्धिप्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि डबल इंजन सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। योगी सरकार ने 48 घंटे के भीतर किसानों को भुगतान का निर्देश दिया है। क्रय केंद्र सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक खुले हैं। 17 प्रतिशत नमी तक का धान खरीदा जा सकता है। योगी सरकार ने धान खरीद के लिए कैबिनेट बैठक में प्रदेश में 4000 क्रय केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। इसमें से अब तक 3790 क्रय केंद्र स्थापित किये जा चुके हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में पहली नवम्बर से धान खरीद होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवम्बर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

छठ में घाटों पर समतलीकरण और प्रकाश व्यवस्था कराये सुनिश्चित, चलाएं प्लास्टिक मुक्त अभियान : बोरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने पक्का पुल स्थित सांझीय घाट की साफ सफाई, घाट का समतलीकरण, झाड़ियों का कटवाना तथा घाट सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजपुरी छठ पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक वर्मा, महामंत्री एमके सिंह से प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाने की अपील की। कहा, छठ पूजा पर भक्त प्लास्टिक का उपयोग न करें, इसके लिए समिति पदाधिकारी जागरूकता अभियान चलाएं। समिति के आरआर प्रभारी मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता नजमी मुजफर, जोनल अधिकारी अमरजीत यादव, सहायक अभियंता विनोद पाठक, जेएसओ जितेंद्र गांधी, एसएचओ अंजनी एवं उद्यायन विभाग के अधिकारी के साथ महानगर उपाध्यक्ष सौरभ वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष रमन निगम, पार्षद सुदर्शन कटियार, उपाध्यक्ष मोहित रहकवार मौजूद रहे। राज्य सरकार दीपावली बाद छठ पर्व पर व्यवस्थाओं को और दुरुस्त करेगी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने छठ पर्व की तैयारियों के मद्देनजर अपने कैंप कार्यालय पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस दौरान एके शर्मा ने छठ पर्व सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर लेने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां इस कदर हों कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विशेष रूप से यह निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था, फॉगिंग, कीटाणुनाशक दवा के छिड़काव, घाटों का समतलीकरण तथा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख मार्गों एवं घाटों तक जाने वाले रास्तों की मरम्मत एवं गड्ढामुक्ति तत्काल पूरी की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि छठ पर्व के अवसर पर स्वच्छता एवं व्यवस्था ही सबसे बड़ा सेवा कार्य है, इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरें। मंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान किसी भी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने कहा कि घाटों एवं पूजा स्थलों के आसपास विशेष रूप से अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, हाईमास्ट लाइटों की कार्यशीलता तथा विद्युत सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जाए। सभी सुपरीटेंडेंट इंजीनियर एवं अधिशासी अभियंता को यह निर्देश दिए कि छठ पर्व के दौरान 24 घंटे नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहें। कहीं से भी किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बदला रामलला के दर्शन और आरती का समय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शीत ऋतु आगमन के साथ ही रामलला के दर्शन के समय में गुरुवार से बदलाव कर दिया गया है। अब श्रद्धालुओं को राम मंदिर में सुबह सात बजे से रामलला के दर्शन होंगे। मंदिर में दर्शन रात नौ बजे तक जारी रहेगा। रामलला की आरती के समय में भी बदलाव किया गया है। दोपहर में आरती व भोग के लिए एक घंटे तक मंदिर के पट बंद रहेंगे। ट्रस्ट के तरफ से रामलला के दर्शन की नई समय सारिणी जारी की गई है। राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि अब शरद ऋतु शुरू हो रही है। ऐसे में रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव किया गया है। रामलला की मंगला आरती जो अब तक सुबह चार बजे होती थी, अब 4.30 बजे होगी। रामलला की श्रृंगार आरती सुबह छह बजे के बजाय 6.30 बजे होगी। दर्शन अब तक सुबह 6.30 बजे से शुरू होता है, वह अब सुबह सात बजे से शुरू होगा। नई समय सारिणी के मुताबिक अब सुबह 0ल4.30 बजे मंगला आरती,सुबह 6.30 बजे श्रृंगार आरती ,दर्शन मार्ग से प्रवेश प्रारंभ। सुबह 7 बजे दर्शन प्रारंभदोपहर 1 बजे-भोग आरती-डी-वन से प्रवेश बंद,दोपहर 12.30 से 1 बजे तक पट बंद,दोपहर 1 बजे-दर्शन प्रारंभरात 9 बजे-डी-एक से प्रवेश बंद और रात 9.15 बजे दर्शन समाप्त रात 9.30 बजे-शयन आरती-आरती के बाद कपाट बंद होंगे।

यूपी में दीपावली पर बिजली खपत का बना नया रिकॉर्ड

एक ही दिन में सर्वाधिक 149 मिलियन यूनिट की खपत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दीपावली पर प्रदेश ने बिजली खपत का अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड बना दिया। राज्य में रविवार की रात कुल 149 मिलियन यूनिट (1.49 करोड़ यूनिट) बिजली की आपूर्ति की गई, जो ऊर्जा खपत के नए शिखर को दर्शाती है। यह पहली बार है, जब प्रदेश में एक ही दिन इतनी अधिक बिजली की खपत दर्ज की गई।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों के दौरान बढ़ी रोशनी, सजावट, औद्योगिक इकाइयों और घरेलू उपयोग में हुई बढ़ोतरी के चलते यह रिकॉर्ड बना। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दीपावली की जगमगाहट ने बिजली की मांग को चरम पर पहुंचा दिया। इस दौरान राज्य में बिजली आपूर्ति की अधिकतम मांग 31,230 मेगावॉट तक पहुंची, जिसे ऊर्जा निगमों ने बिना किसी बड़े व्यवधान के पूरा किया। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर और नोएडा जैसे बड़े शहरों में बिजली खपत में सर्वाधिक उछाल दर्ज किया गया। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी रिकॉर्ड स्तर पर उपभोग बढ़ा, जो बताता है कि प्रदेश के हर कोने में दीपावली की रौनक पूरी तरह फैली रही। बिजली निगम के अफसरों ने बताया कि पिछले वर्ष दीपावली पर लगभग 141 मिलियन यूनिट की खपत हुई थी। इस बार यह आंकड़ा आठ मिलियन यूनिट अधिक रहा। निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए अग्रिम तैयारी, पर्याप्त उत्पादन और बैकअप व्यवस्था को सफलता का प्रमुख कारण माना गया। दीपावली पर शहर के लोगों को निर्बाध आपूर्ति के दावे धरे रह गए। पेटी फ्यूज, जंफर तो उड़े ही ट्रांसफार्मर तक धड़ाम होते रहे। निर्धारित समय में फाल्ट ठीक कर आपूर्ति भी नहीं बहाल की जा सकी। पुराने लखनऊ से गोमती नगर तक कई इलाकों में एक से डेढ़ घंटे तक बिजली गुल रही। सोमवार को सुबह करीब 10:30 बजे से बिजनौर के शारदानगर विस्तार उपकेंद्र के चंद्रावल, नटकुर, बिजनौर, कमलापुर, माती, ठकुराइन खेड़ा, सीआरपीएफ गेट नंबर-3, सैनिक विहार कॉलोनी, सरवननगर सहित कई गांवों की आपूर्ति तकनीकी खराबी के कारण एक घंटे बाधित रही। बंगला बाजार,आशियाना के कानपुर रोड के आसपास डेढ़, चिनहट के सुगामऊ,कमता, शिवपुरी कॉलोनी के आसपास एक घंटे से ज्यादा बिजली गुल रही। राजाजीपुरम ओल्ड और न्यू में हाई वोल्टेज व बिजली की आवाजाही ने ने परेशान किया। आरोप है कि कर्मचारियों और अवर अभियंता के फोन घंटों व्यस्त रहे। अलीगंज सेक्टर-के,जे,पी, पुरनिया ,बेलीगारद चौराहे, बड़ा चांदगंज, माई की बगिया, छप्पतल्ला, भिड़िया टोला सहित आसपास के क्षेत्र में बिजली सप्लाई की आवाजाही दिनभर बनी रही। वहीं डालीगंज अहिबरनपुर के मदेयगंज, गंगा कॉलोनी, कर्बला ढ़ाल सहित आसपास के इलाके में एक घंटे से अधिक सप्लाई बाधित रही। बीकेटी के शाढ़ामऊ उपकेंद्र के अंतर्गत कई इलाकों में तार टूटने और तकनीकी खामी के कारण करीब एक घंटे तक सप्लाई गुल रही।

अखिलेश के जन्मदिन पर सपा कार्यालय के बाहर लगा 'प्रबल इंजन की सरकार' का पोस्टर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर पोस्टरवार छिड़ गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर एक विशालकाय होर्डिंग ने सबका ध्यान खींच लिया है। पोस्टर सपा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'डबल इंजन सरकार' के नारे की तर्ज पर 'प्रबल इंजन की सरकार' का नारा देते हुए राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की है।

यह होर्डिंग सपा के मेंहदावल (संत कबीरनगर) से रहे प्रत्याशी जयराम पांडेय ने लगवाई है। इसमें पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक ट्रेन के इंजन के रूप में दिखाया गया है, जबकि पीछे के डिब्बों पर सपा सरकार की योजनाओं के नाम लिखे हैं। इनमें समाजवादी पेंशन योजना, कन्या विद्याधन, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, लैपटॉप योजना, डायल-100, लखनऊ मेट्रो और मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी योजनाएं शामिल हैं।

पोस्टर पर लिखा है ह्लएक इंजन, मजबूत इंजन... फिर से चलेगी समृद्धि

की बयार, जब 2027 में आएगी प्रबल इंजन की सरकार।ङ्क इसके साथ धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की शुभकामनाएं भी दी गई हैं। खास बात यह है कि अखिलेश यादव के दस्तावेजों में जन्मतिथि 1 जुलाई 1973 दर्ज है, लेकिन समर्थक हर साल 23 अक्टूबर को उनका 'वास्तविक जन्मदिन' मनाते हैं। इसी अवसर पर यह रचनात्मक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें उन्हें संस्कृत में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं।

होर्डिंग में सपा का नया 'पीडीए फॉर्मूला' भी प्रमुखता से दिखाया गया है, पी -प्रगतिशील, डी - दूरदर्शी, और ए - अमनपसंद। पार्टी के कार्यकर्ता इसे सामाजिक न्याय और विकास के नए प्रतीक के रूप में पेश कर रहे हैं।

जयराम पांडेय ने बताया कि वह पिछले नौ वर्षों से अखिलेश यादव के जन्मदिन पर इसी तरह के रचनात्मक पोस्टर लगाते आ रहे हैं। पिछले साल उन्होंने 'सत्ताईस के सत्ताधीश' का स्लोगन दिया था, जो खासा चर्चित हुआ था।

वहीं राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि सपा का यह 'प्रबल इंजन' पोस्टर न सिर्फ अखिलेश यादव के प्रति समर्थन दिखाने का प्रयास है, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सपा के नए तेवरों और रणनीति का संकेत भी देता है।

भैया दूज के शुभ अवसर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पहुँचे अपने पैतृक आवास

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। दीपावली के महापर्व के बाद भैया दूज के शुभ अवसर पर बृजेश पाठक डिप्टी सीएम पहुंचे अपने पैतृक आवास पर पहुँचे और वहां पर अपनी सभी बहनों के साथ भैया दूज पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया और साथ ही साथ उन्होंने अपनी बहनों से तिलक लगवाया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। हृदय प्रिय बहनों को उपहार प्रदान किये। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक अपने आवास पर लगभग 2 घंटे तक रुके होंगे। उनसे मिलने के लिए उनके चाहने वालो की भीड़ लगी रही। उन्होंने सभी अपने चाहने वालों से उनका हाल-चाल लिया। और अपने पारिवारिक जनों से भी मिले सभी के स्वस्थ रहने की कामना की इस अवसर पर मल्लावां के समस्त सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

उपस्थित रहने वालों में मनोज अग्निहोत्री, अजय शर्मा, परवेज आलम, पदुम पाठक, अनिल पाठक, विकास पाठक, श्यामू यादव आदि लोग उपस्थित रहे

140वें श्री रामलीला महोत्सव का हुआ शुभारम्भ

■ विधायक आशीष सिंह आशू ने फीता काटकर शुभारम्भ किया।

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। 140वें श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक आशीष कुमार सिंह आशू ने भगवान नारायण, देवी लक्ष्मी हनुमान रामायण एवं व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। साथ में विशिष्ट अतिथि विपिन द्विवेदी, बृजेश अवस्थी, सतीश मिश्रा, आशीष कुमार अग्निहोत्री, अनुज मिश्रा, प्रदीप त्रिवेदी, अम्बेश तिवारी , राकेश द्विवेदी रहे।

समिति द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात श्री बांके बिहारी लीला संस्थान के मण्डलाधीष मिथलेश पाण्डेय के निर्देशन में नारद मोह की सुंदर प्रस्तुति की जिसका उपस्थित दर्शकों ने दृश्यावलोकन कर आनन्दित हुए।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रमाकांत मिश्र रम्मी दादा, संरक्षक सुरेश कुमार पांडेय उपाध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला अशोक कुमार दीक्षित महामंत्री भास्कर मिश्र कोषाध्यक्ष श्याम नारायण वर्मा आय व्यय निरीक्षक विनोद कुमार स्वर्णकार मंत्री दीपांशु सोनी तेज सिंह राठौर रामपाल दिवाकर अनुज कुमार उदय नारायण वर्मा मधुरेश तिवारी सुभाष चन्द्र सहित सभी पदाधिकारीगण एवं सहयोगी गण उपस्थित रहे।

शाहाबाद नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया जा रहा है भैया दूज का पर्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भैया दूज का पर्व हर्ष और उल्लास के वातावरण में मनाया जा रहा है।

गुरुवार को सुबह ०8:00 बजे से ही भैया दूज का पर्व मनाने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दोपहर ०1:30 बजे तक लगातार जारी है। इस मौके पर बहनों ने अपने भाइयों के मस्तक पर रोली और अक्षत का तिलक लगाकर लंबी उम्र की दुआएं की।

भाइयों ने भी अपनी बहनों को गिफ्ट देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। गुरुवार को बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों के घर पहुंच रही हैं। नगर के हरदोई, शाहजहांपुर, पाली, पिहानी बस स्टैंड पर बहनों की भारी भीड़ देखी जा रही है। बसों और टेंपो टैक्सियों में जगह पाने के लिए आपाधापी का दौर चल रहा है।

लकड़ी बटवारे को लेकर दो लोगो ने लाठी डंडों से पीटा, रिपोर्ट दर्ज

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। लकड़ी बंटवारे को लेकर दो

लोगो ने लाठी डंडो से पीटकर लहूलुहान कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर एक आरोपी को जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव सेलापुर निवासी कुसमा देवी पत्नी छोटेलाल ने दी तहरीर में कहा कि मंगलवार समय लगभग 2 बजे उसका पति छोटेलाल खेत पर था। मेरे परिवार का आकाश उर्फ रौनक व विकास दोनों भाइयों ने लकड़ी बंटवारे की बात को लेकर पति को जान से मारने की नियत से लाठी डंडो से मारा पीटा व जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। मारपीट में गम्भीर चोटे आई है इस कारण पीजीआई में इलाज करा रहे है। पुलिस ने आकाश उर्फ रौनक को जेल भेज दिया है।

विवाहिता ने पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम देहलिया निवासी विवाहिता ने शाहजहांपुर जनपद निवासी पति और घरवालों के विरुद्ध लिखित तहरीर देकर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। पीड़िता राबिया पुत्री अशरफ अली के अनुसार उसका विवाह करीब दस वर्ष पूर्व कांठ थाना क्षेत्र के ग्राम भैसटा कलां निवासी गुलाब शेर पुत्र पूसे के साथ हुआ था। उसके तीन बच्चे हैं। विवाह के बाद उसका पति, ससुर, जेठानी हुस्न आरा, देवर शमशेर और आजाद अतिरिक्त दहेज में एक लाख की नगदी और सोने की जंजीर की मांग को लेकर आए दिन गाली गलौज कर मारपीट कर उसे प्रताड़ित करते हैं। 28 सितंबर को विपक्षियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे काफी मारपीटा और पुत्र जैनुल के साथ घर से भगा दिया। वह इस समय अपने पिता के घर रह रही है। गुरुवार को शाम ०5:00 बजे प्रभारी निरीक्षक ने बताया पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

कई स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं के मामले में रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी थाना क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में पीड़ितों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के ग्राम रैंगाई निवासी अनुज पुत्र सतीश के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे गांव के बबलू ने अपने पुत्र मिथलेशए वीरेंद्र और रामचंद्र के साथ मिलकर सड़क पर बंधी बकरी को हटाने के लिए कह देने पर उसके पिता को दरवाजे पर आकर गाली गलौज करते हुए लाठी, डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसकी पत्नी पिता को बचाने आई तो विपक्षियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। ग्राम बिलालपुर रहीमपुर निवासी रामखेलावन पुत्र विनोद के अनुसार 22 अक्तूबर की रात 8 बजे गांव के श्यामल पुत्र रामसागर ने अर्जुन, अशोक और रोशन के साथ उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से उसे मारपीट कर घायल कर दिया। छोटा भाई राम प्रताप बचाने आया तो आरोपियों ने उसको भी पीट कर घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के सरावर कालोनी निवासी कलेक्टर पुत्र दूजा के अनुसार 22 अक्तूबर को दिन में उसका विवाद गांव निवासी रामबाबू पुत्र राजेंद्र और उसके भाई रामकेवलएअजय कुमार से मछली पकड़ने को लेकर विवाद हो गया था। विपक्षियों के शाम को 7 बजे उसके दरवाजे आकार उसकी पत्नी को गाली गलौज करते हुए डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। वह अपनी पत्नी को बचाने गया तो विपक्षियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट की अलग अलग घटनाओं में पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

बाइक से गिरकर युवक घायल, अस्पताल में भर्ती कराया गया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अपनी बहन के घर भैया दूज के लिए जा रहा है एक बाइक सवार युवक के नशे की हालत में होने की वजह से जटपुरा स्कूल के पास अनियंत्रित होकर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है। हरपालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मलौथा निवासी शिवम पुत्र रूपलाल शाहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम खुमारी पुर में अपनी बहन के यहां भैया दूज के लिए जा रहा था। शराब के नशे में होने की वजह से बाइक अनियंत्रित हो गई और जटपुरा स्कूल के पास गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। 108 एंबुलेंस के माध्यम से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने की वजह से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है।

जेल में भाईदूज मनाया गया, बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला जेल में गुरुवार को भाई-बहन के पर्व भैया दूज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों से मुलाकात की, उन्हें तिलक लगाया और अपराध से दूर रहने का वचन लिया। जेल परिसर में बहनों के पहुंचने पर एक भावनात्मक माहौल बन गया। भाइयों ने अपनी बहनों को देखकर भावुकता व्यक्त की। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनके अच्छे जीवन की कामना की। इस दौरान कई बहनें भावुक हो गईं। भैया दूज के इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों से यह वादा लिया कि वे जेल से रिहा होने के बाद किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे और ईमानदारी से जीवन यापन करेंगे। जेल प्रशासन ने इस विशेष मुलाकात के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। जेल अधीक्षक ने बताया कि बहनों को केवल तिलक लगाने, कलाई पर धागा बांधने और मुंह मीठा कराने की अनुमति दी गई थी। अन्य सभी वस्तुएं सुरक्षा जांच के बाद प्रशासन के पास जमा कराई गईं। यह पूरी मुलाकात सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस आयोजन ने जेल में बंद कैदियों और उनके परिवारों के बीच संबंधों की अहमियत को दर्शाया।

भाईदूज पर मायके न जाने देने पर नवविवाहिता ने लगाई फाँसी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भाईदूज के दिन मायके जाने की जिद पति ने ठुकरा दी तो नवविवाहिता ने मौत को गले लगा लिया। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के सतौथा गांव में 24 वर्षीय आयुषी देवी ने बुधवार रात घर के बाहर नीम के पेड़ पर दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला जब एक युवक शौच के लिए निकला और आयुषी को पेड़ से लटका देखा। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और महिला को नीचे उतारा। आनन-फानन में उसे सीएचसी हरपालपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि भाईदूज पर मायके जाने को लेकर पति सुजीत से उसका विवाद हुआ था। इससे आहत होकर उसने यह कदम उठा लिया। आयुषी की शादी 12 मई 2020 को सांडी थाना क्षेत्र के धधामऊ गांव निवासी सुजीत कुमार से हुई थी। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं। वहीं, मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने और दहेज में अतिरिक्त मांग करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हरपालपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डाला पलटने से दो बच्चों सहित पिता घायल, अस्पताल में भर्ती

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के पिपरिया पुल के पास एक तेज रफ्तार डाला अनियंत्रित होकर पलट जाने के कारण डाला में बैठे पिता और उसके दो बच्चे घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम अनगपुर निवासी कमलेश पुत्र प्रतिपाल सिंह डाला पर बैठकर शाहाबाद से अनगपुर जा रहे थे। पिपरिया पुल के पास शराब के नशे में धुत डाला चालक नियंत्रण खो बैठा और डाला अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे कमलेशए उसका पुत्र राम लखन 10 वर्षए बेटी देवा 5 वर्ष घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

युवक का शव मिला,ग्रामीणों ने नीम के पेड़ पर रस्सी के सहारे झूलता देखा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जनपद के मल्लावां में गुरुवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव जरेरा निवासी 40 वर्षीय अरबिंद पुत्र श्रीराम का शव गुरुवार को गांव के बाहर एक नीम के पेड़ पर रस्सी के सहारे झूलता हुआ पाया गया। ग्रामीणों ने शव लटका देखकर तत्काल परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि अरबिंद दीपावली के पर्व पर दिल्ली से अपने घर आए थे। मृतक के एक बेटा और दो बेटियां हैं। प्रशिक्षु सीओ हरे कृष्ण शर्मा ने बताया कि मिली सूचना के आधार पर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

बस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल,चालक फरार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हरदोई-सांडी मार्ग पर ककेडी गांव के पास गुरुवार शाम एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। सांडी थाना क्षेत्र में हुई यह घटना हरदोई की ओर से आ रही रोडवेज बस द्वारा अंजाम दी गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल बाइक सवार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश जारी है।

बहनों ने भाइयों के तिलक कर लंबी उम्र की कामना की

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मल्लावां कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में भाई दूज का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में मिठाइयों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। भाई-बहन के इस पर्व पर घरों में विशेष आयोजन किए गए। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मल्लावां कस्बे की पूर्व सभासद पूर्ति मिश्रा ने इस त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्ष में एक बार आने वाले इस पर्व का सभी बहनों को बेसब्री से इंतजार रहता है, और इस दिन वे अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना करती हैं।

विकल्प का नियम तो क्या उलझन: अवधेश वर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। विघुत अधिनियम में पोस्ट पेड ाअेर प्रीपेड मीटर का विकल्प होने के बावजूद जबरन मीटर लगाए जाने के मामले में उपभोक्ता परिषद ने राष्टपति को पत्र लिख है। उपभोक्ता परिषद ने पत्र में लोकसभा द्वारा पारित कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश में लागू किए जाने का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश में कानून उल्लंघन पर राष्टपति से हस्तक्षेप मांग की है। उपभोक्ता परिषद ने एक बार फिर पावर कारपोरेशन को कानूनी रूप से चेताया है कि प्रदेश व देश के विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के तहत पोस्टपेड व प्रीपेड मीटर का विकल्प है। ऐसे में उन्हें उनके अधिकार से वंचित करने की कार्यवाही तक उपभोक्ता परिषद संघर्षजारी रखेगा। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आज महामहिम भारत की राष्ट्रपति को एक पत्र भेजकर प्रदेश में विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 47(5) के उल्लंघन की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि यह अधिनियम उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से संसद द्वारा पारित किया गया था और इसे महामहिम राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त है। जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश में देश के राष्ट्रीय कानून विद्युत अधिनियम 2003 का खुला उल्लंघन किया जा रहा है उसे पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और उत्तर प्रदेश सरकार चुप है या अपने आप में घोर चिंता का विषय है।उपभोक्ता परिषद द्वारा विद्युत अधिनियम के उल्लंघन के मामले में महामहिम राष्ट्रपति जी को भेजे गए पत्र की एक प्रति देश के ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर व केंद्रीय ऊर्जा सचिव को भी भेजा गया है और उनसे भी पूरे मामले पर अभिलंब कार्यवाही की मांग उठाई गई है। श्री वर्मा ने बताया कि धारा 47(5) के अनुसार प्रत्येक उपभोक्ता को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर में से किसी एक को चुनने का कानूनी अधिकार प्राप्त है। किंतु उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं उसकी वितरण कंपनियाँ इस वैधानिक अधिकार का उल्लंघन कर रही हैं और उपभोक्ताओं को जबरन केवल प्रीपेड मीटर लगाने के लिए बाध्य कर रही हैं। पावर कारपोरेशन द्वारा उपभोक्ताओं से विभिन्न प्रकार के शुल्क एवं फीस वसूली जा रही है, जिनकी स्वीकृति उत्तर प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग से प्राप्त नहीं की गई है। यह न केवल विद्युत अधिनियम, 2003 का उल्लंघन है, बल्कि पारदर्शिता, वैधता और नियामकीय नियंत्रण के संवैधानिक सिद्धांतों के भी विपरीत है। श्री वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और विद्युत अधिनियम की भावना को अक्षरश: लागू करना समय की आवश्यकता है। परिषद को विश्वास है कि महामहिम राष्ट्रपति जी के हस्तक्षेप से उपभोक्ताओं को न्याय अवश्य मिलेगा। पावर कॉरपोरेशन और उसकी वितरण कंपनियों की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। किस आधार पर भारत के राष्ट्रीय कानून का उत्तर प्रदेश में घोर उल्लंघन किया जा रहा है। 2 राज्य सरकार और विद्युत नियामक आयोग को निर्देशित किया जाए कि वे अधिनियम की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करें तथा उपभोक्ताओं को प्रीपेड और पोस्टपेड मीटर में से चयन का अधिकार पुन: बहाल करने के लिए आगे आए।3 जब तक नियामक आयोग से विधिवत स्वीकृति न मिल जाए, तब तक किसी भी प्रकार की अनधिकृत वसूली पर रोक लगाई जाए।

वर्टिकल सिस्टम या फिर निजीकरण का पहला चरण

लखनऊ (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। निजीकरण के लिए लम्बी जद्दाजहद के बीच वर्टिकल सिस्टम के लागू होने से पूर्व ही बिजली विभाग में कर्मचारी और अभियंताओं की उठापटक प्रबंधन ने शुरू कर दी है। अभी वर्टिकल सिस्टम को लागू होने में लगभग एक सप्ताह ही बची है। लेकिन इस बीच सिर्फलखनऊ में 45 अभियंताओं की कुर्सी हिला दी गई। इसके नीचे के कितने कर्मचारी हटेंगे या हटायेगें जाएगें यह अभी कहना मुश्किल होगा। वैसे भी कर्मचारी अभियंता संगठन निजीकरण का विरोध कर रहे है चंद दिनों में उनके आन्दोलन का एक वर्ष पूरा होने वाला है लेकिन प्रबंधन एवं सरकार बातचीत का रास्ता दरकिनार कर अब वर्टिकल टेण्डर की आड़ में कोई नया गुल खिलाने जा रहा है। जानकारों के अनुसार दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और कोलकाता और उत्तर प्रदेश में आगरा जैसे शहर पहले वर्टिकल टेण्डर फिर निजीकरण में शामिल हो चुके है। सूत्रों के अनुसार राजधानी में 1 नवंबर से लागू होने जा रहे वर्टिकल सिस्टम ने पावर कारपोरेशन के 45 इंजीनियरों की कुर्सी हिला दी है। अमौसी, लखनऊ सेंट्रल, जानकीपुरम और गोमतीनगर जोन में नई व्यवस्था के चलते कामगारों की संख्या घटा दी गई है। इसके चलते 21 अवर अभियंता, 14 सहायक अभियंता और 10 अधिशासी अभियंता अब राजधानी से कार्यमुक्त होकर मुख्यालय भेजे जाने की खबर है। यही नही प्रबंधन से जिन्हें छुट्टी की लिस्ट में जगह मिली है, उनकी रातों की नींद उड़ गई है। कर्मचारी से लेकर अभियंता तक हर कोई खौफजदा है कि कहीं उसका नाम तो नहीं आ रहा है। कई अभियंताओं का कहना है कि उन्होंने बड़ी मशक्कत और जुगाड़ से परिवार के पास राजधानी में तैनाती कराई थी, मगर अब टिकट कटना तय है।मध्यांचल निगम ने साफकर दिया है कि सरप्लस हुए इन इंजीनियरों को या तो मुख्यालय में संबद्ध किया जाएगा, या फिर दूसरे जिलों में ट्रांसफर इसका फैसला जल्द ही प्रबंधन करेगा।प्रबंधन कह रहा है कि कम इंजीनियरों और कामगारों से ही बेहतर काम होगा। लेकिन हकीकत यह है कि 250 से ज्यादा कर्मचारी और 45 इंजीनियर बेवजह सरप्लस कर दिए गए। लेकिन बड़ा ससवाल यह है कि क्या व्यवस्था सुधार के नाम पर राजधानी से अनुभवशाली इंजीनियरों को हटाना सही है ? दूसरा सवाल यह भी कि निजीकरण का विरोध कर रहे अभियंताओं को अप्रत्यक्ष रूप से निजीकरण का विरोध बंद कर चुपचाप रहने के लिए यह किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि 1 नवंबर को जब वर्टिकल सिस्टम जमीन पर उतरेगा, तब बिजली व्यवस्था पटरी पर रहेगी या इंजीनियरों की कमी से लखनऊ के हालात बिगड़ेंगे। बहरहाल बिजली विभाग के सभी कार्मिक संगठन लगातार उदाहरण देकर निजीकरण व्यवस्था को फेल बता रहे है। घाटे के लिए योजनओं और चंद अधिकारियों को जिम्मेदार बता रहे है। इसके विपरीत निगम में जो कुछ चल रहा है उसका परिणाम क्या होगा यह तो वक्त ही बतायेगा। हालांकि वर्टिकल टेण्डर को लेकर कहा जा रहा है कि ऐसे में टेंडर की पूरी प्रक्रिया और आरएफ्पी डॉक्यूमेंट को गोपनीय रखना बहुत गंभीर बात है। इस तरह सारी प्रक्रिया में ही भ्रष्टाचार की आशंका है।

निजीकरण के विरोध में 24 से जनपदों में व्यापक विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने चेतावनी दी है कि वर्टिकल सिस्टम के नाम पर शहरी क्षेत्रों में रिस्ट्रक्चरिंग कर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों और इंजीनियरों के पदों को घटाने का जोरदार विरोध किया जायेगा। संघर्ष समिति ने कहा है कि दीपावाली पर्व पूरा हो जाने के बाद 24 अक्टूबर से बिजली कर्मी पूर्ववत आंदोलन जारी रखेंगे और सभी जनपदों में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि पावर कारपोरेशन का शीर्ष प्रबंधन निजीकरण के नाम पर वर्टिकल सिस्टम लागू कर रहा है और इसके बहाने बिजली कर्मियों के हजारों पद समाप्त किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अकेले लेसा में ही 8000 से अधिक पद समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपील की है कि वह मनमाने ढंग से हजारों पदों को समाप्त करने के मामले में तत्काल प्रभावी हस्तक्षेप करें अन्यथा पावर कार्पोरेशन प्रबंधन उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था ध्वस्त कर देने पर आमादा है।संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि लेसा में 2055 नियमित पद और लगभग 6000 संविदा कर्मियों के पद मनमाने ढंग से समाप्त पर पॉवर कॉरपोरेशन प्रबन्धन प्रदेश की राजधानी की बिजली व्यवस्था पटरी से उतारने का काम कर रहा है जिसका उपभोक्ता सेवा पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ने जा रहा है। संघर्ष समिति ने बताया की वर्तमान में लेसा में अधीक्षण अभियंता स्तर के 12 पद स्वीकृत है उन्हें घटाकर आठ किया जा रहा है, अधिशासी अभियंता स्तर के 50 पद स्वीकृत है उन्हें घटाकर 35 किया जा रहा है, सहायक अभियंता स्तर के 109 पद स्वीकृत उन्हें घटाकर 86 किया जा रहा है, अवर अभियंता स्तर के 287 पर स्वीकृत है उन्हें घटाकर 142 किया जा रहा है और टीजी 2 के 1852 पर स्वीकृति उन्हें घटाकर 503 किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त लेखा संवर्ग में अकाउंटेंट के 104 पद हैं उन्हें घटाकर 53 किया जा रहा है, एग्जीक्यूटिव अस्सिटेंट के 686 पद हैं उन्हें घटाकर 280 किया जा रहा है और कैंप असिस्टेंट के 74 पद हैं उन्हें लगभग समाप्त कर 12 किया जा रहा है। संघर्ष समिति ने बताया कि पद समाप्त करने और छटनी के मामले में सबसे बड़ी मार संविदा कर्मियों पर पड़ रही है। संविदा कर्मियों के छह हजार से अधिक पद समाप्त किए जा रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि जिस प्रकार मध्यांचल में,लेसा और केस्को में और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम में हजारों मत समाप्त किये जा रहे हैं उससे बिजली कर्मियों की यह आशंका और बलवती हो गई है की संपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र का निजीकरण किया जा जाने वाला है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम तो शुरुआत मात्र है। इससे बिजली कर्मियों का गुस्सा और बढ़ गया है।

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरु कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है। अपने घर जाने के लिए घंटों लाइन में लगकर यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करें, यह किसी भी देश के लिए शर्मिंदगी का प्रसंग होना चाहिए। लेकिन भारत में अब ऐसे प्रसंगों पर आंख मूंद ली जाती है, मानो इनका कोई महत्व ही नहीं है। इसकी बजाए प्रचार तंत्र के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि सरकार को यात्रियों की कितनी फिक्र है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री सुविधा केंद्र और अतिरिक्त टिकटिंग काउंटर बनाए गए हैं। अच्छी बात है कि दिल्ली के एक स्टेशन पर इतनी सुविधा की गई है। लेकिन क्या यात्री केवल दिल्ली से ही सवार होते हैं। सूरत में लगी लाइन पर रेल मंत्री क्या कहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही गृहराज्य में प्रवासी मजदूरों की इस भीड़ को देखकर अपने विकास के दावे खोखले नहीं लगते। ध्यान दें कि अभी बिहार चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी जितनी बार बिहार पहुंच रहे हैं, वे विकास की बड़ी-बड़ी बातें ही कर रहे हैं। दावे कर रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार में सबको सुख मिलेगा। हालांकि बिहार में अब भी डबल इंजन यानी बीजेपी और जेडीयू की ही सरकार है, तब भी वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला और काम की तलाश में ही लोगों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ा। बिहार का मजदूर गुजरात से लेकर दिल्ली, उत्तराखंड, असम और कश्मीर तक हर जगह मिल जाएगा। इसी मजदूर वर्ग को छठ पूजा के लिए जब अपने घर-गांव लौटने का मन होता है, तो वो ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह ठूंस कर भी आने की कोशिश करता है। हालांकि इसमें कई बार जान का जोखिम होता है। जैसे तीन दिन पहले मुंबई से बिहार जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस को पकड़ने की कोशिश में तीन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नासिक रेलवे स्टेशन पर ये हादसा हुआ। कर्मभूमि एक्सप्रेस यहां रुकती नहीं है, लेकिन धीमी होती है। जिस पर चढ़ने की कोशिश तीन लोगों ने की। मान लिया कि उन लोगों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की भारी गलती की और ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है, तो उस पर नहीं चढ़ना चाहिए था। लेकिन कोई तो मजबूरी रही होगी जिस वजह से ऐसा जोखिम पीड़ितों ने उठाया होगा। त्योहार के मौसम में सरकार ऐसी व्यवस्था पहले से क्यों नहीं करती कि सारे लोग आराम से आना-जाना कर सकें।

उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए।

बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के बीच आईएमएफ : ढहती अर्थव्यवस्था

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

देश के भीतर प्रशासनिक रिश्वतखोरी की स्थिति भयावह है। पासपोर्ट सेवा में 75 प्रतिशत, वाहन पंजीकरण में 72 प्रतिशत और न्यायिक सेवाओं में 34 प्रतिशत लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाती बल्कि नागरिकों के बीच शासन के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। माना जा रहा है कि आईएमएफ का भरोसा टूटने का एक कारण यह भी है, क्योंकि किसी भी आर्थिक सुधार को लागू करने के लिए सबसे पहले प्रशासनिक ईमानदारी और पारदर्शिता चाहिए, जो ढाका में दुर्लभ है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जिन्हें कभी गरीबों का मसीहा कहा गया, आज उसी मंच पर आलोचना का केंद्र बने हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का हालिया निर्णय, जिसमें उसने बांग्लादेश की नई सरकार बनने तक अगली किस्त जारी करने से इनकार किया है, इसके माध्यम से बता दिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उस गहरी चिंता का प्रतीक है जो इस देश के शासन तंत्र की नीतिगत सड़ांध और नैतिक गिरावट को देख रही है। वस्तुतः आईएमएफ ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। संगठन ने साफ कर दिया है कि वह लोन की छठी किस्त तब तक जारी नहीं करेगा, जब तक बांग्लादेश में स्थायी, निर्वाचित और वैधानिक सरकार नहीं बन जाती। आईएमएफ ने जनवरी 2023 में बांग्लादेश के लिए 5.5 अरब डॉलर का पैकेज स्वीकृत किया था। इस राशि का उद्देश्य था; विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर करना, मुद्रा 'टका' की गिरावट रोकना और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाना। पाँच किस्तों में से 3.6 अरब डॉलर पहले ही जारी किए जा चुके हैं लेकिन करीब 800 मिलियन डॉलर की छठी किस्त रोक दी गई है। अब आईएमएफ के इस फैसले को महज आर्थिक कदम मानना भूल होगी। यह एक प्रकार का राजनीतिक और नैतिक दबाव है, जो संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान बजट या बैलेंस शीट नहीं देखते बल्कि यह भी परखते हैं कि शासन में पारदर्शिता, नागरिक सुरक्षा और धार्मिक समानता का कितना पालन हो रहा है। देश के भीतर प्रशासनिक रिश्वतखोरी की स्थिति भयावह है। पासपोर्ट सेवा में 75 प्रतिशत, वाहन पंजीकरण में 72 प्रतिशत और न्यायिक सेवाओं में 34 प्रतिशत लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाती बल्कि नागरिकों के बीच शासन के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। माना जा रहा है कि आईएमएफ का भरोसा टूटने का एक कारण यह भी है, क्योंकि किसी भी आर्थिक सुधार को लागू करने के लिए सबसे पहले प्रशासनिक ईमानदारी और पारदर्शिता चाहिए, जो ढाका में दुर्लभ है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जिन्हें कभी गरीबों का मसीहा कहा गया, आज उसी मंच पर आलोचना का केंद्र बने हुए हैं। साल 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यूनुस ने सेना समर्थित अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला लेकिन वह न तो आर्थिक स्थिरता दे पाए न राजनीतिक भरोसा। आईएमएफ, विश्व बैंक और विदेशी निवेशक, सभी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल एक लोकतांत्रिक, जनादेश-आधारित सरकार के साथ ही दीर्घकालिक सहयोग करेंगे। बांग्लादेश की आर्थिक गिरावट केवल वित्तीय अनुशासन की कमी से नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता और धार्मिक उत्पीड़न से भी जुड़ी है। जब किसी समाज में भय का वातावरण होता है, जब नागरिकों को सुरक्षा नहीं मिलती, तो निवेशकों का भरोसा भी डगमगाने लगता है। आईएमएफ और अन्य वैश्विक संस्थान इन संकेतों को गंभीरता से लेते हैं। हिंदू समुदाय, जो बांग्लादेश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है, ऐतिहासिक रूप से व्यापार, शिक्षा और पेशेवर वर्गों में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। जब इस समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो स्थानीय बाजार और उत्पादन चक्र कमजोर पड़ते हैं। उद्योग-धंधों में अस्थिरता आती है और उपभोक्ता विश्वास टूटता है। यह सीधे जीडीपी और रोजगार दर को प्रभावित करता है। बांग्लादेश का सामाजिक संकट उसकी अर्थव्यवस्था जितना ही गंभीर है। देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। साल 2025 में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हिंसा अपने चरम पर रही। वर्ष के पहले छह महीनों में ही 250 से अधिक हमले, 27 हत्याएँ, और 60 से ज़्यादा मंदिरों पर हमले हुए। साल 2023 में 302 घटनाएँ, जबकि साल 2024 में (दिसंबर तक) 2,200 से अधिक मामले दर्ज हुए। अगस्त 2024 से अगस्त 2025 के बीच 1,700 से अधिक दर्ज घटनाएँ, कम से कम 23 ज्ञात मौतें और 150 से अधिक मंदिरों को नुक़सान की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में हुई। जिनमें सैकड़ों हिंदू परिवारों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मानवाधिकार संगठन हिंदू बौद्ध ख्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल के अनुसार पिछले एक वर्ष में 1,045 घटनाओं में 45 लोगों की हत्या हुई, 479 घायल हुए और 102 मंदिरों या व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया गया। यह स्थिति केवल धार्मिक असहिष्णुता नहीं, बल्कि शासन की निष्क्रियता और सामाजिक नियंत्रण की विफलता का प्रमाण है। आईएमएफ ने कई बार स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को वित्तीय सुधारों के साथ ही प्रशासनिक और सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है। आगे आईएमएफ का प्रतिनिधिमंडल 29 अक्टूबर से देश की दो सप्ताह की समीक्षा करेगा। यह दल बांग्लादेश बैंक, वित्त मंत्रालय और आर्थिक सुधार बोर्ड से मुलाकात करेगा और तय करेगा कि सहायता की अगली किस्त जारी की जाए या नहीं। भ्रष्टाचार और अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा, दोनों बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय साख को चोट पहुंचा रहे हैं। विदेशी निवेशक अब ढाका को जोखिमपूर्ण बाजार मानने लगे हैं। वर्ष 2024 के अंत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निर्यात वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत से घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई। बांग्लादेश बैंक की रिपोर्ट बताती है कि विदेशी मुद्रा भंडार भी एक वर्ष में 39 अरब डॉलर से घटकर 22.5 अरब डॉलर पर आ गया है। बांग्लादेश की मौजूदा परिस्थिति दिखाती है कि किसी भी देश की आर्थिक नीतियाँ धर्म और राजनीति से अलग नहीं रह सकतीं। जब शासन एक वर्ग के प्रति पक्षपाती हो, कानून व्यवस्था चरमपंथियों के नियंत्रण में आ जाए और प्रशासनिक संस्थाएँ भ्रष्टाचार से ग्रस्त हों, तो अर्थव्यवस्था अपने आप ढहने लगती है। दरअसल, यहां हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार केवल एक मानवाधिकार संकट नहीं है, यह उस आर्थिक प्रणाली की विफलता है जो समान अवसर और सुरक्षा देने में असफल रही है। ऐसे में आईएमएफ का संदेश साफ नजर आता है कि वित्तीय स्थिरता, सामाजिक न्याय से अलग नहीं हो सकती। अब आईएमएफ की इस रोक ने बांग्लादेश को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। अगर देश अब भी सुधारों की राह नहीं अपनाता, तो आने वाले महीनों में विदेशी मुद्रा संकट, महंगाई और बेरोजगारी का विकराल रूप सामने आएगा। यहां लगता है, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बांग्लादेश के लिए संदेश स्पष्ट है; उसे तय करना होगा कि वह किस दिशा में जाना चाहता है; एक ऐसा देश जो भ्रष्टाचार, धार्मिक कट्टरता और राजनीतिक हठ का प्रतीक बने या वह राष्ट्र जो अपनी गलतियों से सबक लेकर स्थायी विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की राह चुने।

सेहत पर भारी पड़ती रहन-सहन, खानपान की बदलती प्राथमिकताएं

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यूनिसेफ की चिंता यह नहीं है कि किस पर कितना व्यय हो रहा है। चिंता का कारण यह है कि जंक-फूड के साइड-इफ़ेक्ट सामने आने लगे हैं। आज अधिक कैलोरी वाले जंक-फूड पेट भरने का प्रमुख साधन बन गया है। साइड इफ़ेक्ट देखिये कि बच्चों से लेकर बड़ों तक देश में मोटापा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी तरह से मोटापा के कारण होने वाली बीमारियों के साथ आज की युवा पीढ़ी हृदय रोग की शिकार होती जा रही है। दुनिया के देशों में जहां डायबिटिज यानी मधुमेह की गिरफ्त को कम करने में जुटे हैं वहीं हमारे देश में मधुमेह की गिरफ्त लगातार मजबूत होती जा रही है। मधुमेह से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही अन्य बीमारियों की पकड़ अधिक होती जा रही है। जंक फूड के चलते इम्यूनिटी प्रभावित हो रही है। अधिक कैलोरी के कारण शरीर थुलथुल होता जा रहा है। हालांकि मोटापे की समस्या से समूची दुनिया जूझ रही है।

देशवासियों के रहन-सहन और खान-पान में तेजी से बदलाव आ रहा है। लोगों की प्राथमिकताएं चाहे शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, सभी जगह बदलाव का दौर चल रहा है। बदलती प्राथमिकताएं सेहत पर भारी पड़ने लगी है तो गंभीर चिंता का कारण भी बनती जा रही है। बदलाव को इसी तरह से भली-भांति समझा जा सकता है कि प्राथमिकताओं में वाहन, दवा और जंक फूड प्रमुखता लेते जा रहे हैं। यूनिसेफ की पिछले दिनों जारी रिपोर्ट के अनुसार बदलाव का यह दौर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में नेक टू नेक देखा जा रहा है। अनाज का स्थान जंक फूड ले चुका है। ग्रामीण क्षेत्र में जंक फूड का उपयोग जहां 10 प्रतिशत हो गया है वहीं, अनाज उपयोग 5.4 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह से शहरी क्षेत्र में जंक फूड की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत हो गई है तो अनाज पर खर्च का प्रतिशत केवल केवल 4 प्रतिशत रह गया है। वाहन आदि पर व्यय ग्रामीण क्षेत्र में 7.8 फीसदी हो गया है तो शहरी क्षेत्र में कुछ ही अधिक 8.2 प्रतिशत हो गया है। यह रहन-सहन व खान-पान के बदलाव की तस्वीर है। साइड-इफ़ेक्ट यह कि अनाज से ज्यादा खर्च स्वास्थ्य यानी की इलाज पर ग्रामीण क्षेत्र में 6.5 प्रतिशत तो शहरी क्षेत्र में इससे कुछ कम 5.9 प्रतिशत होने लगा है। शिक्षा पर खर्च में ग्रामीण क्षेत्र जहां 3.8 प्रतिशत पर अटका है वहीं शहरी क्षेत्र 6 प्रतिशत है। निश्चित रुप से शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राथमिकता बनी हुई है। यूनिसेफ की चिंता यह नहीं है कि किस पर कितना व्यय हो रहा है। चिंता का कारण यह है कि जंक-फूड के साइड-इफ़ेक्ट सामने आने लगे हैं। आज अधिक कैलोरी वाले जंक-फूड पेट भरने का प्रमुख साधन बन गया है। साइड इफ़ेक्ट देखिये कि बच्चों से लेकर बड़ों तक देश में मोटापा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी तरह से मोटापा के कारण होने वाली बीमारियों के साथ आज की युवा पीढ़ी हृदय रोग की शिकार होती जा रही है। दुनिया के देशों में जहां डायबिटिज यानी मधुमेह की गिरफ्त को कम करने में जुटे हैं वहीं हमारे देश में मधुमेह की गिरफ्त लगातार मजबूत होती जा रही है। मधुमेह से ग्रसित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही अन्य बीमारियों की पकड़ अधिक होती जा रही है। जंक फूड के चलते इम्यूनिटी प्रभावित हो रही है। अधिक कैलोरी के कारण शरीर थुलथुल होता जा रहा है। हालांकि मोटापे की समस्या से समूची दुनिया जूझ रही है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार डिब्बाबंद खाने के चलते साल 2030 तक देश में 2.7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे की चपेट में आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बच्चे हो या बड़े सबकी पंसद बर्गर, पिज्जा, चिप्स, कुरकुरे, मैगी, बिस्कुट और इसी तरह से डिब्बाबंद खाद्य सामग्री के साथ जूस और सॉफ्ट ड्रिंक पसंद बनते जा रहे हैं। इसका एक तो बड़ा कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में समाज रुप से बढ़ती मार्केटिंग सुविधा, चंद मिनट से लेकर कुछ मिनटों में ही सामग्री की उपलब्धता, फिर स्वाद और आक्रामक विज्ञापनों के मोहजाल के कारण पैक्ड खाद्य सामग्री के प्रति तेजी से रुझान बढ़ा है। आकर्षक नाम, आकर्षक आउटलेट, वेल अरेंज्ड डिलिवरी सिस्टम व गिग वर्कर्स की टीम द्वारा आर्डर के साथ ही चंद मिनटों में उपलब्धता और इसके साथ ही इंस्टेट खाने की आदत के कारण यह सब हो रहा है। चिंता का कारण है कि खाना जो पौष्टिकता और समयानुकूल होता था वह अब कहीं खो गया है। अब स्वाद और इंस्टेट खाने का मोह होने लगा है। एक अन्य कारण शहरों में अध्ययन के लिए जाने, पीजी और लाइब्रेरी की कल्चर ने युवाओं का जंक फूड की गिरफ्त में अधिक ले लिया है। कौन खाना बनाए- के चक्कर में एक फोन पर सहज उपलब्धता को देखते हुए भी जंक फूड को बढ़ावा मिला है। फिर यह शहरों से गांवों तक पहुंच गई है जिससे गांवों में भी जंक फूड आम होता जा रहा है। यूनिसेफ ही नहीं समूची दुनिया की चिंता का कारण यह है कि खानपान और रहन-सहन की बदलती प्रवृति स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। आज समूची दुनिया मोटापा की समस्या को लेकर गंभीर है तो हृदय रोग की गिरफ्त में कम आयु के भी आने लगे हैं। अब तो साइलेंट अटैक का दौर और चल गया है और संभलने तक का मौका नहीं मिलता है। ऐसे में पंरपरागत खानपान की और लौटना ही होगा। पिछले दिनों ही अधिक कैलोरी और मोटापे की लगातार विकराल होती समस्या के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं लोगों से अधिक तैलीय खाद्य पदार्थ के उपयोग को कम करने के लिए देशवासियों से आग्रह कर चुके हैं। राजस्थान की सरकार ने एक बड़ा निर्णय करते हुए सरकारी बैठकों में चना-मूंगफली का उपयोग शुरु कर दिया है। यह विश्वव्यापी समस्या है, ऐसे में लोगों की आदत में बदलाव के समग्र प्रयास करने होंगे। यह मालूम होने के बावजूद लोगों द्वारा जंकफूड का उपयोग बढ़ रहा है, इस आदत को बदलना होगा।

बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं।

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है-जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

दो मोटर साइकिल की अपने सामने की टक्कर से पिता पुत्र सहित तीन लोगों की हुई मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/ओरन/बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन रोड कोर्रही नहर के पास तेज़ रफ्तार दो मोटरसाइकिलो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार पिता पुत्र सहित तीन लोगोंको मौत हो गई, बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पारा निवासी केदार कोरी पुत्र कैरा 57 वर्ष यह अपने पुत्र शिवसागर उम्र 32 के साथ गुरुवार की दोपहर चित्रकूट से दर्शन कर अपने घर पारा लौट रहे थे, तभी बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन रोड कोर्रही नहर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ग्लैमर बाइक चालक ओमप्रकाश वर्मा पुत्र गनेश प्रसाद उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम कैरी थाना बिसंडा से आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गयी। जिसमें तीनों गम्भीर घायल रूप से घायल हो गए, राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार त्रिपाठी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिसंडा पहुंचे, जहां पर डॉक्टरो ने देखते ही परीक्षण करने के बाद तीनो को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया, वही पुलिस ने तीनों के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज बांदा भेज दिया है। इस घटना को देखते हुए दोनों के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

मार्ग हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

बांदा। कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पीछे बैठा चचेरा भाई घायल हो गया। उसे पीएचसी में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के खम्हौरा गांव निवासी अनिल (20) पुत्र दुलुआ कोटार्य गुरूवार की सुबह अपने चचेरे भाई ललित (21) पुत्र लोटन के साथ बाइक से नगनेधी गांव कामकाज के सिलसिले में जा रहे थे। थाना क्षेत्र के गडरा नाला के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। दोनो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया। यूपी-112 ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

आठ बर्षीय बच्ची को परिजनों का पता लगाकर सकुशल किया सुपुर्द

बांदा। गुरूवार को थाना बबेरु की मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा गुम हुई एक 08 वर्षीय बच्ची को सकुशल परिजनों को सुपुर्द किया गया । गौरतलब हो कि आज थाना बबेरु की मिशन शक्ति टीम के जागरुकता अभियान के दौरान लककुश डिग्री कालेज कस्बा बबेरु के पास एक बच्ची बरामद हुई । पुलिस टीम द्वारा बच्ची तथा आस-पास के लोगों से पूछताछ कर बच्ची के परिजनों का पता लगाया गया । जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि बच्ची थाना बिसण्डा क्षेत्र के ग्राम कैरी की रहने वाली है, तथा अपनी दादी के साथ दादी के मायके बबेरु में जन्मदिन के अवसर पर आई हुई । आज दोपहर लगभग 12.00 बजे वह खेलते-खेलते घर का रास्ता भटक गई थी तथा परिजन उसे काफी देर से खोज रहे थे । पुलिस टीम द्वारा बच्ची को सकुशल उसकी दादी तथा अन्य रिश्तेदारीजनों को सुपुर्द किया गया । बच्ची के परिजनों ने पुलिस टीम का हृदय से धन्यवाद दिया ।

अवैध रूप से खुलेआम बिक रही देशी शराब, वीडियो वायरल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। थाना गिरवां अंतर्गत ग्राम पंचायत स्योंढा में ग्राम प्रधान श्रीमती बदरुनिशा पत्नी अयूब खां के पुत्र इश्हाक खां द्वारा गांव में खुलेआम अवैध रूप से देशी शराब की बिक्री कराये जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। वायरल वीडियो को भारत कनेक्ट प्रमाणित नहीं करता है। वीडियो का संज्ञान आज तक थाना गिरवां पुलिस ने नहीं लिया है जबकि बिक्री स्थल से मात्र एक किलोमीटर पर अकबरपुर पुलिस चौकी है। गांव स्योंढा में स्योढ़ा - खानपुर रोड में कमरुद्दीन मेमोरियल इंटर कालेज से चंद कदम दूर लबे सड़क एक गुटखा की गुमटी पर बैठकर प्रधान पुत्र सरेआम देशी शराब अवैध रूप से बिकवाता है तथा शराब के शौकीन लोगों को वहीं पर बैठाकर शराब परोसी जाती है और शराब के खाली पैकेट बच्चों से दूर झाड़ी में फेंकवाये जाते हैं। बिक्री स्थल से चंद कदम दूर स्थित इंटर कालेज व डिग्री कालेज में व पंडित जवाहरलाल नेहरू इंटर कालेज गिरवां में पढ़ने वाले लड़के व लड़कियों का इसी रास्ते से आना जाना होता है फिर भी स्थानीय पुलिस धृतराष्ट्र बनी है, अवैध रूप से देशी शराब बेचने व पिलाने का ये कारोबार सालों से फल फूल रहा है और स्थानीय पुलिस प्रशासन बेखबर है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि ग्राम प्रधान के पुत्र लकड़ी कटान व बिक्री का अवैध कारोबार करते हैं और उनके लकड़ी कटान में काम करने वाले अधिकांश मजदूरों को उक्त गुमटी में शराब बेची व पिलाई जाती है तथा खुलेआम बेची जाती है। स्थानीय लोगों का कहना कि वे प्रधान पुत्र की सरपरस्ती में चल रहे इस अवैध शराबखाने से आजिज हैं बहन बेटियों का निकलना बैठना दूभर है यहां तक कि गुमटी के बगल से लगे सरकारी हैंडपंप से पानी भरना व निस्तार करना मुश्किल है। बताते चलें कि ग्राम प्रधान का उक्त पुत्र धारा 376 आईपीसी का चार्जशीटेड अभियुक्त है और इसकी मां के ग्राम प्रधान होने के कारण इसकी सरपरस्ती में इस अवैध शराब बिक्री पर कोई लगाम नहीं है। अब देखना यह है कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर स्योंढा ग्राम प्रधान पुत्र की सरपरस्ती में दबंगई के बल पर अवैध रूप से खुलेआम हो रही शराब बिक्री पर थाना गिरवां पुलिस कार्यवाही कर शराब बिक्री रोक पायेगी या प्रधान पुत्र की दबंगई से गांव की गरीब जनता व बहन बेटियां यूं ही हलाकान रहेंगी। जब इस संबंध में थाना अध्यक्ष गिरवा से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि मामले को दिखाते हैं जानकारी नहीं है वायरल वीडियो की।

बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगा कर भाईया दूज पर्व मनाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। भगवान श्री कृष्ण और उनकी बहन सुभद्रा के संबंध में भाई दूज का पर्व विशेष महत्व रखता है। इस दिन से जुड़ी कुछ अनोखी बातें हैं जो इस पर्व की पवित्रता और विशेषता को और बढ़ाती हैं। यहां कुछ खास बातें दी गई हैंरूमाना जाता है कि भाई दूज का पर्व उस समय से प्रचलित है, जब भगवान श्री कृष्ण ने राक्षस नरकासुर का वध किया था। जब वे नरकासुर का संहार कर लौटे, तो उनकी बहन सुभद्रा ने उनका स्वागत करते हुए तिलक लगाया और उनकी रक्षा के लिए प्रार्थना की। इस घटना के बाद से यह पर्व बहन-भाई के प्रेम का प्रतीक बन गया। भाई दूज के दिन बहन अपने भाई को तिलक कर उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशियों की कामना करती है। तिलक के साथ भाई की आरती उतारी जाती है और उसे मिठाई खिलाई जाती है। यह रिवाज भाई-बहन के अटूट संबंध को दर्शाता है, जिसमें बहन अपने भाई के सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करती है और भाई उसकी सुरक्षा का वचन देता है।

कहानी के अनुसार, भगवान कृष्ण जब नरकासुर वध करके लौटे, तो सुभद्रा ने उन्हें विशेष सत्कार दिया था। उन्होंने श्रीकृष्ण के माथे पर तिलक लगाया, मिठाई खिलाई और दीयों की माला से उनका स्वागत किया। इस स्वागत से प्रेरित होकर आज भी बहन अपने भाई को तिलक लगाती है और उसकी खुशहाली की कामना करती है। कृष्ण और सुभद्रा की कहानी में यह संकेत मिलता है कि भाई दूज पर भाई बहन को उपहार देते हैं। यह उपहार बहन के प्रति भाई के स्नेह और देखभाल को दर्शाता है, जो बहन के प्यार और प्रार्थना के प्रतिदान के रूप में होता है। भगवान श्रीकृष्ण और सुभद्रा के अलावा भाई दूज के पर्व का संबंध यमराज और उनकी बहन यमुनाजी की कथा से भी है। ऐसा माना जाता है कि यमुनाजी ने भी अपने भाई यमराज को तिलक कर उनके सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना की थी। इससे भाई दूज का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिसमें भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम और आशीर्वाद का आदान-प्रदान होता है।

ग्राम नगनेधी में महिलाओं व बालिकाओं की चौपाल लगाकर शासन की योजनाओं की दी जानकारी

बांदा। महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के क्रम में पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज थाना अतर्रा की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम नगनेधी में महिलाओं/बालिकाओं के साथ चौपाल लगाकर उन्हे शासन की विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जानकारी दी गई । इस दौरान उनकी सुरक्षा के विभिन्न संवैधानिक एवं विधिक प्रावधानों जैसे- लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न आदि के साथ-साथ विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, वीमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, चाइल्ड केयर लाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, महिला हेल्पलाइन 181 आदि के बारे में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

प्रतिभावान खिलाड़ियों के सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जेएन कालेज खेल मैदान में जिला कबड्डी एसोसिएशन बांदा के तत्वाधान में प्रतिभावान खिलाड़ियों के सम्मान समारोह का आज आयोजन किया गया है। जिसमें बांदा जनपद के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि कल्लू सिंह राजपूत जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी बांदा,समाजसेवियों, सहयोगियों के द्वारा सम्मानित किया गया सम्मान समारोह में नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी वूमेनश्एस कलस्टर जो कि कारगिल कैंपस लद्दाख में 24 अक्टूबर 2025 से 28 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होना है जिसमें बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व बांदा की 4 बेटियां क्रमशः जिया खान कैप्टन लेफ्ट रेडर,मानसी गुप्ता राइट रेडर, खुशबू प्रजापति लेफ्ट कॉर्नर, और रेशमा राजपूत राइट कॉर्नर खेलेंगी को गिफ्ट, साल एवं किट देकर जिलाध्यक्ष बीजेपी कल्लू सिंह राजपूत सहित सभी के द्वारा सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई,सम्मान समारोह में राजकुमार राज पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बांदा,अमित सेठ भोलू समाजसेवी,चंदमौली भारद्वाज डायरेक्टर डीआर पब्लिक स्कूल,अंकित कुशवाहा चेयरमैन भागवत प्रसाद अकादमी,संतोष नायक भारतीय जनता पार्टी,पूर्व सभासद,शिवकुमार गुप्ता जी गजराज सिंह, इंद्रवीर सिंह,सुरेंद्र सिंह,ज्ञानचंद शुक्ला,हर्षित सिंह, मानस त्रिपाठी,अक्षय त्रिवेदी उपस्थित होकर जिले के प्रतिभावान होनहार खिलाड़ी प्रियंका यादव,अलशिफा,प्रियांशी गुप्ता, आदित्य कुमार, सुरेंद्र प्रजापति, शिवम यादव, रजनीश कुमार,अभिषेक गुप्ता, उदय सिंह, नंदकिशोर साहू, अरविंद, लवलेश कुमार,अतुल गुप्ता, शुभम सिंह को सम्मानित कर अपना सहयोग प्रदान किया। जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव कमल सिंह यादव,सलाहका/ मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना ने आए हुए सभी आगंतुकों का सम्मान किया और उपस्थित होनहार खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी।

हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते दर्जनभर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

बांदा। अपराध तथा अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना अतर्रा पुलिस द्वारा 02 स्थानों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे कुल 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया । गौरतलब हो कि आज थाना अतर्रा पुलिस को दो स्थानों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआँ खेलने की सूचना प्राप्त हुई। अतर्रा पुलिस द्वारा बसरेही रोड नहर के किनारे फड़ सजाकर जुआँ खेलने वाले 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया । अभियुक्तों के कब्जे से मालफड़ व जामा तलाशी से कुल 15780 रुपये तथा 52 ताश के पत्ते बरामद हुए । गिरफ्तार अभियुक्तों में दिनेश पुत्र मइयादीन नि0 सुदामापुरी थाना अतर्रा जनपद बांदा । संतोष पुत्र छेदीलाल नि0 बाउर बाजारा थाना अतर्रा जनपद बांदा ।ओमप्रकाश पुत्र छेदीलाल नि0 बाउर बाजारा थाना अतर्रा जनपद बांदा ।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के दशरथ गांव में बुधवार शाम एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मायके पक्ष ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए ससुराल पक्ष के खिलाफ कार्रवायी की मांग की है। पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।मृतका की पहचान विमला देवी उर्फ गोरकी उम्र 19 के रूप में हुई है जिसकी शादी करीब छह माह पूर्व दशरथ गांव निवासी हीरालाल उर्फ मिथुन से हुई थी। मृतका के भाई दीपक पाल निवासी पुरखास, थाना सराय अकिल ने करारी थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिन बाद से ही विमला के ससुराल वाले पति हीरालाल उर्फ मिथुन, ससुर किशोरीलाल, सास एवं देवर राहुल द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे थे तथा उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। दीपक ने बताया कि विमला तीन दिन पहले दीपावली मनाने मायके आयी थी। बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे पति मिथुन जबरन उसे ससुराल ले गया। आरोप है कि ससुराल पहुंचने के बाद पति, ससुर और सास ने मिलकर विमला की बेरहमी से पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गयी। बाद में शव को फांसी के फंदे से लटका दिया गया जिससे आत्महत्या का रूप दिया जा सके। पड़ोसियों से घटना की जानकारी मिलने पर जब परिजन पहुंचे तो विमला मृत अवस्था में पायी गयी। थाना प्रभारी करारी शिवाकांत चौरसिया ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर पति हीरालाल उर्फ मिथुन, ससुर किशोरीलाल, सास व देवर राहुल के खिलाफ दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की विवेचना जारी है।

एक्सप्रेसवे पर कार डिवाइडर से टकराई, सात घायल

बांगरमऊ(उन्नाव)। कोतवाली क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार दोपहर बाद एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में बच्चों समेत सात लोग घायल हो गए। झपकी आने के कारण चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। तभी हादसा हो गया। सभी घायल अहमदाबाद से बिहार के बेगूसराय अपने घर छठ पूजा मनाने जा रहे थे। बेगूसराय जिले के सकरा भांटा गांव निवासी रोहित यादव (33) अहमदाबाद में निजी नौकरी करते हैं। गुरुवार को वह पत्नी नीतू (28), बेटे देशराज (10), अंकित (12), बेटी मुस्कान (15), रिश्तेदार सुमित (20) और चालक रणधीर पासवान के साथ कार से बेगूसराय जा रहे थे। दोपहर करीब दो बजे एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 232 पर चालक रणधीर पासवान को झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई। हादसे में कार सवार सभी सात लोग घायल हो गए। सूचना पर यूपीडा कर्मी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

मुख्यमंत्री योगी से मिले कौशांबी डीएम मधुसूदन फुल्की विकास कार्यों पर कोई विस्तार से चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। कौशांबी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। यह भेंट लगभग आधे घंटे तक चली जिसमें जिले के विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई।सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने जनपद में चल रही प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली और निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता व समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाय। डीएम हुल्गी ने मुख्यमंत्री को जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं औद्योगिक क्षेत्र में हो रही प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शासन की सभी योजनाओं को पारदर्शी ढंग से लागू किया जा रहा है जिससे जनता को अधिकतम लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री योगी ने जिलाधिकारी को सुशासन व विकास कार्यों की गति बनाये रखने के निर्देश दिये तथा आमजन से जुड़ी योजनाओं की निरंतर निगरानी करने पर बल दिया। बताया जा रहा है कि यह भेंट न केवल एक शिष्टाचार मुलाकात थी बल्कि इसे जनपद के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश बैठक माना जा रहा है। वहीं डीएम मधुसूदन हुल्गी की मुख्यमंत्री से सीधी मुलाकात को लेकर भाजपा जनप्रतिनिधियों समेत राजनीतिक गलियारों में हलचल देखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

चित्रगुप्त मंदिर में हुआ दूजन पूजन कार्यक्रम का आयोजन

बांदा। कायस्थ सभा-चित्रगुप्त परिवार द्वारा शहर के चित्रगुप्त मंदिर कटरा में दूज पूजन कार्यक्रम मनाया गया। कायस्थ सभा के पदाधिकारी व समाज के लोग उपस्थित रहे। भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा अर्चना सभा के अध्यक्ष संतोष कुमार श्रीवास्तव, गायत्री शक्ति पीठ के उदयन पाठक, राम प्रकाश खरे द्वारा पूजन आरती करायी गयी। इसके बाद शहर के महेश्वरी देवी मंदिर में मंत्री पृष्पेन्द्र श्रीवास्तव व योगेश कुमार श्रीवास्तव ने भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा अर्चना व आरती करायी। इंद्रकुमार श्रीवास्तव, रामप्रकाश खरे आदि ने प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र निगम, हृदयेश कुमार, अशोक कुमार श्रीवास्तव, मनोज निगम लाला, शोभित निगम, आलोक निगम, कुलदीप श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, श्याम श्रीवास्तव आदि रहे।

घरेलू कलह के चलते महिला ने निगला जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

सफीपुर (उन्नाव)। कस्बे के मंगलबाजार मोहल्ले में घरेलू विवाद के चलते एक महिला ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनों ने उसे तत्काल सीएचसी सफीपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलबाजार पड़रिया निवासी सुरेश की 35 वर्षीय पत्नी किरन का गुरुवार को किसी बात को लेकर परिजनों से विवाद हो गया था। विवाद के बाद उसने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एजेन्सि यूनिट/ज़ोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-PYGS-PS-126-25-2 (Misc-static-services-parcel scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22-10-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	07-11-2025 at 11:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-RBL-PS-122-25-1 (Misc-static-services-parcel scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22-10-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	07-11-2025 at 11:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-JNU-PS-121-25-1 (Misc-static-services-parcel scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22-10-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	07-11-2025 at 11:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-MBDP-PS-125-25-1 (Misc-static-services-parcel scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22-10-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	07-11-2025 at 12:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-SLN-PS-129-25-2 (Misc-static-services-parcel scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	22-10-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	07-11-2025 at 12:10 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in 3287/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

किशोरी की चाकू से गोदकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ(उन्नाव)। कोतवाली क्षेत्र के गांव लहरापुर मजरा चिंगरपुरवा में गुरुवार को उस समय सनसनी फैल गई,जब ग्राम प्रधान के घर के पीछे खेत में एक किशोरी का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। मृतका की पहचान आरती (16) पुत्री अमर सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि उसकी चाकू से गोदकर निर्मम हत्या की गई थी। शरीर पर कई जख्म मिले है। घटना की जानकारी मिलते ही बांगरमऊ पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों के अनुसार, आरती गुरुवार की सुबह बुआ सोनी के साथ गंजमुरादाबाद कस्बे में भैयादूज का सामान लेने जा रही थी। कुछ देर बाद जानकारी मिली कि आरती का शव खून से लतपथ ग्राम प्रधान के घर के पीछे खेत में मिला। शव देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

परिजनों ने गांव के दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरती का कुछ दिन पहले गांव के एक युवक से विवाद हुआ था, जिसके बाद उसे धमकियाँ मिल रही थीं। आशंका जताई जा रही है कि चुनावी रंजिश के चलते ही यह वारदात अंजाम दी गई है।

आरती अपने चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी। उसका बड़ा भाई अंकित (18) दिल्ली में निजी नौकरी करता है। उसकी छोटी बहन पूर्वा (12) और छोटा भाई अभिषेक (8) हैं। उसके पिता अमर सिंह टीबी के मरीज हैं। सभी का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। घटना की जानकारी पर सीओ बांगरमऊ संतोष सिंह, एएसपी प्रेमचंद, तथा चौकी प्रभारी सतीश द्विवेदी सहित भारी पुलिस बल गांव पहुँचा। पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपी राजेश घटना के बाद अपना मोबाइल फोन माँ के पास छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने उसकी माँ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। परिजनों ने बताया कि घर की महिलाओं के बीच हुए मामूली विवाद के बाद आरती अपने पिता के साथ शिकायत करने गंजमुरादाबाद पुलिस चौकी गई थी, लेकिन तहरीर देने से पिता के मना करने पर वह घर लौट आई। इसी दौरान आरोपी ने मौका पाकर आरती पर चाकू से हमला कर दिया। गांव में यह भी चर्चा है कि आरोपी युवक ने आरती को किसी वीडियो या फोटो वायरल करने की धमकी दी थी, जिसके चलते वह पुलिस के पास शिकायत करने पहुँची थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी से इनकार के बाद युवती ने की आत्महत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर (उन्नाव)। कोतवाली क्षेत्र के बेलरावां गांव में गुरुवार की शाम उस समय सनसनी फैल गई जब एक 19 वर्षीय युवती का शव कमरे में पंखे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतका की आठ दिन बाद शादी होनी थी, लेकिन वह इस विवाह से इंकार कर रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, नरहरपुर गांव के मजरे बेलरावां निवासी यूनूस की पुत्री अलशिफा (19) गुरुवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकती मिली। परिजनों के मुताबिक, वह पिछले कुछ दिनों से गुमसुम रहती थी। गुरुवार को जब वह काफी देर तक घर में दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। एक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला, आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर जब रोशनदान से झांका गया तो उसका शव पंखे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि अलशिफा का विवाह पड़ोसी गांव गढ़ी में तय किया गया था, जिसकी बारात दो नवंबर को आने वाली थी। परिजनों के अनुसार, युवती इस शादी के खिलाफ थी। शादी से इनकार करने के बावजूद रिश्ता तय किया जाना ही उसकी आत्महत्या का कारण बताया जा रहा है। एसओ एस.एन. त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शादी से इनकार के बाद रिश्ता तय किया जाना आत्महत्या की वजह सामने आई है।

पराली जलाने पर प्रशासन का सख्त रुख जिलेभर में चला जागरूकता अभियान

- एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह की अपील धरती मां को राख नहीं, खाद चाहिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। फसल अवशेष यानी पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता घटने और वातावरण प्रदूषित होने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने जिलेभर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। जगह-जगह जागरूकता होर्डिंग लगाए गए हैं, जिन पर किसानों को संदेश दिया गया है। ल्लफसल अवशेष को न जलाएं, इन्हें खाद बनाएं। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि पराली जलाने से मिट्टी की गुणवत्ता पर विपरीत असर पड़ता है और वातावरण में जहरीला धुआं फैलता है, जिससे मनुष्य और पशु दोनों के स्वास्थ्य पर खतरा उत्पन्न होता है। उन्होंने किसानों से अपील की ल्लधुआं खेत की जान लेता है, डीकंपोजर उसे नया जीवन देता है। धरती मां को राख नहीं, खाद चाहिए।कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को निशुल्क वेस्ट डीकंपोजर भी वितरित किया जा रहा है, जिससे वे फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर जैविक खाद बना सकें। डीडी कृषि गिरीश चंद्र ने बताया कि एक टन फसल अवशेष को काटकर खेत में मिलाने से लगभग 5 किग्रा नाइट्रोजन, 2 से 2.5 किग्रा फास्फोरस और 5 किग्रा पोटाश मिट्टी में स्वतः मिल जाते हैं। इससे न केवल भूमि की उर्वरता बढ़ती है, बल्कि फसल की गुणवत्ता और उत्पादन भी सुधरता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि एक हेक्टेयर भूमि में 50 क्विंटल धान की उपज होती है, तो उससे लगभग 5 मीट्रिक टन पुआल प्राप्त होता है, जिससे 25 किलो नाइट्रोजन, 10ऽ15 किलो फास्फोरस और 25 किलो पोटाश मिट्टी को वापस मिल सकता है। गुरुवार को तहसील मोहम्मदी के सुंदरपुर कोरीगवां, देवलरिया, लौकीखेड़ा, सहजनिया, मुकुंदपुर, पड़सर, मूड़ा निजाम, उमरपुर पिपरिया कप्तान, मझिगवां, मूड़ा गालिब, शिवपुरी और लहरिया सहित कई गांवों में प्रचार वाहन के माध्यम से किसानों को जागरूक किया गया।

इसी प्रकार ब्लॉक बेहजम, पसगवां, कुंभी और गोला क्षेत्रों में भी अभियान चलाया गया। फसल अवशेष प्रबंधन के तहत कृषि विभाग ने आकर्षक होर्डिंग और वॉल पेंटिंग लगवाकर किसानों को संदेश दिया है कि पराली जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है, जबकि डीकंपोजर से खेत की मिट्टी को नई ऊर्जा मिलती है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पराली जलाने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, साथ ही जैविक विकल्प अपनाने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

मानसिक विक्षिप्त वृद्ध की आत्महत्याः पशु बाड़े में फंदे से लटकता मिला शव

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद की अजान पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम तकिया में बुधवार की देर रात एक 55 वर्षीय मानसिक विक्षिप्त वृद्ध ने पशु वाले बाड़े में पाइप के सहारे गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान हरिचंद पुत्र बनवारी लाल के रूप में हुई है, जो अपने पीछे तीन लड़के और एक लड़की छोड़ गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, हरिचंद मानसिक रूप से विक्षिप्त थे और अक्सर अकेले रहते थे। बुधवार की देर रात उन्होंने घर के बाहर बने पशु बाड़े में पाइप के सहारे गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिवार वाले उठे तो उन्होंने देखा कि बाड़े में हरिचंद का शव लटक रहा था, जिसे देखकर परिवार वाले सन्न रह गए। परिवार वालों ने घटना की सूचना तुरंत अजान चौकी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है। अजान चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि हरिचंद मानसिक विक्षिप्त थे और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

अमीरनगर में सड़क हादसे में एक की मौत

- बहन के घर जाने को कहकर निकले थे 3 भाई, दो घायलों को भेजा मोहम्मदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। अमीरनगर पुलिस चौकी क्षेत्र में भाई दूज के दिन एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों भाई बाइक पर सवार होकर अपनी बहन के घर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक पिकअप से उनकी टक्कर हो गई।

मृतक की पहचान पीरपुर निवासी अंबुज मिश्रा (25) पुत्र पंकज मिश्रा के रूप में हुई है। वह अपने छोटे भाई कमल किशोर मिश्रा और सचिन मिश्रा के साथ फरदहान थाना क्षेत्र के पचपेड़वा स्थित अपनी बड़ी बहन के घर जा रहा था। अमीरनगर के झाऊपुर से इंदिरा नगर के रास्ते में सामने से आ रही पिकअप से बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे अंबुज मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पीछे बैठे कमल किशोर और सचिन मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर अमीरनगर पुलिस चौकी इंचार्ज राघवेंद्र प्रताप सिंह और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।

पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में ले लिया है और दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को भी जब्त कर लिया है। मृतक के पिता पंकज मिश्रा ने बताया कि उनके बेटे हंसी-खुशी बहन के घर जाने के लिए निकले थे।

धूमधाम से मना भाई दूज का त्यौहार

- बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर मांगी लंबी उम्र और खुशहाली की दुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भाई-बहन के स्नेह और अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व भाई दूज गुरुवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व का उल्लास देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। भाई दूज का यह पावन त्यौहार दीपावली के दो दिन बाद मनाया जाता है। यह पर्व न केवल भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत बनाता है, बल्कि रिश्तों में आई दूरियों और दरारों को मिटाने का भी अवसर देता है।

बहनों ने भाइयों को मिठाई खिलाई और उपहार भेंट किए, वहीं भाइयों ने भी बहनों को प्रेमपूर्वक उपहार देकर उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। यह पर्व केवल एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि स्नेह, विश्वास और पारिवारिक एकता का जीवंत प्रतीक है। घर-घर में भाई-बहन के प्रेम की मिठास और उल्लास से वातावरण सराबोर रहा।

पारिवारिक विवाद से दंपती ने की आत्मघाती कदम उठाया पुलिस खंगाल रही नदी

धौरहरा खीरी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में पारिवारिक विवाद ने गुरुवार तड़के एक दंपती की जान ले ली। बताया जा रहा है कि लंबे समय से चल रहे पति?पत्नी के झगड़े से परेशान होकर पत्नी ने फंसी लगाई, जबकि घटना से आहत पति ने नदी में छलांग लगा दी। दोनों घटनाओं से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के कहारनपुरवा मजरा बम्हौरी निवासी गोलू उर्फ रामनिवास का अपनी पत्नी पूना उर्फ पूनम देवी (26) से कई दिनों से विवाद चल रहा था। गुरुवार तड़के करीब तीन बजे पूनम देवी ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी की मौत से व्यथित गोलू ने थोड़ी देर बाद खमरिया थाना क्षेत्र के ऐरा पुल से शारदा नदी में छलांग लगा दी।घटना की जानकारी मिलते ही धौरहरा पुलिस के उपनिरीक्षक विनोद द्विवेदी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

कबीर धाम मुस्तफाबाद में होगा तीन दिवसीय कबीर महोत्सव

- पूज्य संत श्री असंग देव महाराज का जन्मोत्सव समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कबीर धाम, मुस्तफाबाद की पवित्र भूमि पर आगामी 25 से 27 अक्टूबर 2025 तक तीन दिवसीय ल्लकबीर महोत्सव ङ्क का भव्य आयोजन किया जा रहा है।यह आयोजन पूज्य राष्ट्रीय संत असंग देव महाराज के दिव्य सान्निध्य में संपन्न होगा। महोत्सव का उद्देश्य संत कबीर साहेब की वाणी, उनके विचारों और मानवता, समानता तथा प्रेम के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से ऐतिहासिक इसलिए है क्योंकि इसी दौरान पूज्य संत असंग देव महाराज का पावन जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा।26 अक्टूबर को कबीर धाम में विशेष पूजा-अर्चना, संत प्रवचन, पुष्प वर्षा, एवं भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे मुख्य अतिथि महोत्सव के समापन अवसर 27 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष रूप से कबीर धाम पधारेंगे और पूज्य संत असंग देव महाराज के सान्निध्य में श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश सरकार के कई मंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारी भी अलग-अलग दिनों में महोत्सव में भाग लेंगे। इनमें प्रमुख रूप से तोखन साहू केंद्रीय राज्य मंत्री,स्वतंत्र देव मंत्री जल शक्ति, दया शंकर सिँह परिवहन मंत्री, महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य,तथा राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह एवं क्षेत्रीय विधायक अमन गिरी, लखीमपुर सदर विधायक योगेश वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और संत-महात्मा शामिल होंगे। तीन दिवसीय महोत्सव की प्रमुख झलकियाँ पहला दिन 25 अक्टूबर

मंगल कलश यात्रा, ध्वजारोहण और कबीर वाणी के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा।

पूज्य संत असंग देव महाराज के करकमलों से दीप प्रज्वलन के बाद भक्ति संगीत और संत प्रवचन का आयोजन होगा।दूसरा दिन (26 अक्टूबर):

प्रातःकालीन आरती के बाद गुरु पूजन एवं जन्मोत्सव महाअभिषेक का आयोजन होगा। संत असंग देव के जीवन एवं प्रेरणा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति 'गुरु गाथा,असंग प्रेरणा' शाम को आयोजित होगी। इस अवसर पर युवा प्रेरणा शिविर, चिकित्सा शिविर, गौसेवा कार्यक्रम तथा रात्रि में भव्य भजन संध्या और आतिशबाज़ी कार्यक्रम होंगे।तीसरा दिन (27 अक्टूबर असंग देव जन्मोत्सव, समापन दिवस):मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के आगमन के साथ समापन सत्र आयोजित होगा। इस दिन ल्लकबीर सेवा सम्मानङ्क और ल्लसमरसता पुरस्कारङ्क प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में सर्वधर्म प्रार्थना, विशाल भंडारा और प्रसाद वितरण किया जाएगा। सेवा, संस्कृति और समरसता का संगम महोत्सव के दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण कार्यक्रम, तथा ग्रामीण कला एवं भक्ति प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कबीर धाम परिसर को आकर्षक सजावट, प्रकाश व्यवस्था और संत साहित्य प्रदर्शनी से सजाया जाएगा। देश के विभिन्न प्रांतों से संत, महात्मा, साधक, समाजसेवी और हजारों श्रद्धालु इस अवसर पर भाग लेंगे। संत असंग देव महाराज का संदेश पूज्य संत असंग देव महाराज ने कहा कि

संत कबीर साहेब ने समाज को सत्य, प्रेम और समानता का मार्ग दिखाया। हमारा उद्देश्य केवल पूजा नहीं, बल्कि समाज में सेवा और समरसता की भावना जगाना है।जब मानवता हमारी पूजा बन जाती है, तभी सच्ची भक्ति का आरंभ होता है।

यात्रियों की मांग को देखते हुए रोडवेज ने बस के अतिरिक्त फ़ेरे लगवाने का लिया निर्णय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। भैया दूज पर बढ़ी यात्रियों की बढ़ी भीड़ को सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम प्रबंधन को बसों के फ़ेरे बढ़ाने पड़े। बसें यात्रियों से खचाखच भरकर रवाना हुईं। फिर भी सीट के लिए यात्रियों में होड़ मची रही।

भैया दूज के पर्व पर भाई बहनों के द्वारा एक दूसरे के घर जाने के लिए मुरादाबाद डिपो पर हर दिन की तुलना में चार हजार से अधिक यात्री बढ़ गए। मुरादाबाद डिपो पर बीती रात से भीड़ जुटने लगी थी। सबसे अधिक मारा-मारी दिल्ली और बिजनौर रूट पर रही। देहरादून व हल्द्वानी रूट के यात्रियों की सहूलियत के मद्देनजर रोडवेज प्रबंधन ने बसों के फ़ेरे दो गुना तक बढ़ा दिए। दिल्ली रूट पर औसतन 40 फ़ेरे बसें चलतीं हैं। जबकि, गुरुवार को इस रूट पर बसों के 50 से अधिक फ़ेरे लगे। वहीं रामपुर, अमरोहा, संभल, चंदौसी रूट पर यात्रियों की भीड़ सहेजने में दोनों डिपो के कर्मचारी और स्टेशन प्रभारी पसीना-पसीना नजर आए। देहरादून रूट पर मुरादाबाद डिपो की बसों ने 42 से अधिक फ़ेरे लगाए। इस रूट पर डिपो की कुल 22 बसें चलती हैं। रोडवेज बसों के सर्वाधिक फ़ेरे, रामपुर, बरेली, चन्दौसी, संभल, बिजनौर, गजरौला, अमरोहा, पीलीभीत, हरिद्वार, गाजियाबाद, आनंद विहार, धामपुर, स्योहारा, कंठ आदि क्षेत्रों के लिए लगाए गए। मुरादाबाद डिपो के कंट्रोल रूम प्रभारी सत्यवीर ने बताया कि दिल्ली और देहरादून रूट पर बसों के डेढ़ गुना तक फ़ेरे बढ़ाने पड़े। डिपो से 17914 यात्रियों ने सफर किया था। गुरुवार शाम चार बजे तक तक यह संख्या बीस हजार के पास पहुंच गयी। आमतौर पर मुरादाबाद डिपो से 14 से 15 हजार यात्री सफर करते हैं। कंट्रोल रूम प्रभारी ने बताया कि अन्य डिपो की बसों से भी यात्रियों से सफर किया।

ड्राइवर की हत्या मामले में फरार आरोपितों के खिलाफ घोषित हुआ पच्चीस–पच्चीस हजार का इनाम

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले के पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार ने धूमनगंज थाना क्षेत्र में चालक की हुई हत्या के बाद कड़ा कदम उठाते हुए थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। इसके साथ ही फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पच्चीस–पच्चीस हजार रूपये का गुरूवार को इनाम घोषित कर दिया है। पुलिस आयुक्त ने मंगलवार को धूमनगंज क्षेत्र में ईट पत्थर से प्रहार करके रविन्द्र पासी की हत्या मामले में कड़ा कदम उठाते हुए हत्या में नामजद आरोपित मरियाडीह के निवासी हसनैनी, नुरैंन, अली, कामरान, इरफान हुसैन और कैफ के खिलाफ 25–25 हजार का इनाम घोषित कर दिया है। हत्या में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सात टीमों का गठन किया है। पुलिस की टीमें हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिस दे रही है। पुलिस आयुक्त ने हत्या मामले में लापरवाही करने वाले धूमनगंज थाना प्रभारी अमर नाथ राय को सस्पेंड कर दिया। धूमनगंज प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक संदेश दिया है।

अपराधियों पर नकेल कसने में सक्रिय गोला पुलिस, वांछित अभियुक्त जीशान खाँ गिरफ्तार

- एसपी संकल्प शर्मा के निर्देशन में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गोला पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी गोला के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 594/2025 धारा 137(2), 87 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त जीशान खाँ पुत्र अनीस निवासी गुप्ता कॉलोनी पुनर्भुग्रन्ट, थाना गोला, जनपद खीरी, स्थाई पता मोहल्ला काजीटोला, थाना लहरपुर, जनपद सीतापुर, को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी अभियान की सफलता का हिस्सा है, जिसके तहत वांछित एवं फरार चल रहे अभियुक्तों की धरपकड़ तेज की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 सुनील कुमार, का0 मोनू कुमार, म0का0 संध्या सिंह, शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारत का चेहरा बनकर उभरी अयोध्या : गिरीशपति त्रिपाठी

अयोध्या। नगर निगम के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या की ब्रांड वैल्यू निरंतर बढ़ रही है। यहां पिछले वर्ष 22 करोड़ पर्यटक आए थे और इससे साफ है कि अयोध्या पूरे भारत का चेहरा बन कर उभरी है। महापौर त्रिपाठी पाटेश्वरी मंदिर परिसर में बाहर रहकर पढ़ाई कर रहे अयोध्या जिले के छात्रों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। 137 देशों ने भगवान राम को स्वीकार किया है। उन्होंने छात्रों से कहा कि बाहर पढ़ाई करने के कारण आप सब अयोध्या के सांस्कृतिक दूत हैं। महंत त्रिपाठी ने बनारस और मथुरा वासियों की तरह क्षेत्रीय लगाव की चर्चा करते हुए इंटरनेट प्लेटफार्म एक्स, फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप के इस्तेमाल का सुझाव दिया। भाजपा नेता रवि तिवारी ने सुझाव दिया कि अध्यात्म के क्षेत्र में विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर अयोध्या में प्रो़फ़ेशनल उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रतिष्ठित सीए सजन अग्रवाल ने जिले का नामकरण अयोध्या के नाम पर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया ।

दोहरी हत्याकांड में शामिल एक बदमाश गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर। थाना जारचा पुलिस ने सैंथली गांव मे दीपावली के दिन नाली के पानी के निकासी के विवाद के चलते हुए डबल मर्डर केस का खुलासा करते हुए एक वांछित को आज गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक स़फ़ेद रंग की बिना नंबर की स्विफ्ट कार, एक देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद किया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय गौतम ने बताया कि दिपावली के दिन 20 अक्टूबर को गांव सैंथली में नाली के पानी के विवाद को लेकर अजयपाल और दिपांशु की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के परिजन धारा सिंह की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की धाराओं में चार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होने बताया कि आज एक सूचना का आधार पर पुलिस ने हत्या में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान निखिल बरहेला (25) निवासी गांव कोट गांव दादरी के रूप मे हुई है। इसे आनन्दपुर पुलिया से 100 मीटर दूर खटाना नहर के पटरी मार्ग पर से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

धौरहरा की गौशालाओं में मौत का साया

- अफसर और प्रधान गूंगे-बहरे बन कसाई भूमिका निभा रहे और सरकारें गौवंश रख रखाव का मंचो से गुड़गान कर वाहवाही बटोर रही है

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा ब्लॉक के ग्राम बसंतापुर और आसपास की गौशालाएँ सरकारी उपेक्षा और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं। रोजाना भूख, प्यास, बीमारी और बदइंतजामी से दम तोड़ते जानवरों की करुण पुकार प्रशासन और पशु कल्याण विभाग तक पहुँचकर भी अनसुनी कर दी जाती है। ताजुब तब हुआ जब गौरक्षा के प्रदेश उपाध्यक्ष रिंकू पांडे ने बताया कि इन बेलगाम अधिकारियों के आगे सिर्फ भैंस के आगे बीन बजाना मात्र रह गया है और एक वायरल वीडियो में पुलिस और मिली धमकी की कहानी स्वयं गौरक्षक रिंकू पांडे द्वारा वायरल किया था। चौकाने वाली बात यह है कि चारे और देखभाल के नाम पर सालाना लाखों रुपये बजट जारी होता है, लेकिन जमीनी हकीकत में बसंतापुर की गौशाला में गायें और बैल कंकाल बनकर दम तोड़ रहे हैं।स्थानीय किसानों और ग्रामीणों का खुलासा है कि गौशाला में कभी सूखा भूसा, तो कभी नाम मात्र के लिए हरा चारा फेंका जाता है। अक्सर गौवंश पेट भरने की जगह अपनी मौत की दुआ मांगते हैं। पशुओं के पीने के लिए लगे नादों में कई दिनों से मरे पड़े मवेशियों की लाशें सड़ती रहती हैं, जिससे पानी पीना तक मुश्किल हो जाता है। यह सिलसिला सिर्फ बसंतापुर तक सीमित नहीं, पास के हरदी गांव की गौशाला में भी हालात बदतर हैं।पर्व-त्योहारों पर सिर्फ फोटो-ऊपरांत गायों को चारा खिलाया जाता है, जिसका प्रचार-प्रसार प्रधान और स्वघोषित समाजसेवी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल करते हैं। हकीकत यह है कि महज दिखावे के लिए बेजुबान पशुओं की तस्वीरें वायरल की जाती हैं जबकि उनका असल दर्द अनदेखा रह जाता है।प्रदेश सरकार द्वारा प्रति गौवंश 50 रुपये की दर से मिलने वाली रकम भी सिर्फ कागजों में बंट जाती है। बयानबाज अधिकारियों और प्रधानों की मिलीभगत से मवेशियों की देखरेख की जिम्मेदारी बच्चों और किशोर मजदूरों पर डाल दी गई है, जो न केवल पशु क्रूरता का बल्कि बाल श्रम कानून का भी सीधा उल्लंघन है।हरदी गांव की गौशाला के हाल की खबर वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बावजूद जिम्मेदार अफसरों का दिल नहीं पसीजा। अधिकारी फाइलों में ही फर्जी इंस्पेक्शन नोट बनाकर खानापूर्ति कर लेते हैं। जनप्रतिनिधि सिर्फ अपने हित, वोट बैंक और ऊपर की कमाई के लिए इस दर्दनाक व्यवस्था को नजरअंदाज कर रहे हैं।ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़कों पर नजर आने लगा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जिले के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इन गौशालाओं की तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, पशुओं को समुचित चारा, स्वच्छ पानी और दवा मुहैया कराई जाए, ताकि मासूम जानवर यूं तड़प-तड़पकर न मरें।

करेंट लगने से महिला की मौत, आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर। चुनार कोतवाली पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के एक मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि आरोपित को गुरुवार की सुबह दुर्गा जी मोड़ तिराहे से पकड़ा गया, जब वह कहीं भागने की फिराक में था। मामला कोतवाली क्षेत्र के बडागांव का है। गांव निवासी हरिश्चंद्र पटेल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार दोपहर करीब दो बजे उसकी पत्नी राजकुमारी (40) अपने खेत में काम करने जा रही थी। इसी दौरान गांव के ही सुभाष पुत्र संपत द्वारा अपने खेत के चारों ओर जानवरों से फसल बचाने के लिए लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आ गई और करेंट लगने से राजकुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर मुखबिर की सूचना पर दुर्गा जी मोड़ तिराहे से सुभाष पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद विधिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदाएं (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. : 106-Sig-Tender-35-2025-26

अनुमानित लागत : रु. 1,77,38,163.51

निविदा प्रपत्र की कीमत : निल

धरोहर राशि : रु. 2,39,000.00

कार्य पूरा करने की अवधि : 300 दिन

निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 14.11.2025, 15:30 बजे तक

वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है :

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है।

सं.: 106-सिग-टेण्डर-35/2025-26 दिनांक: 22.10.2025 3286/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे वनडे में हराया, सीरीज में बनाई अजय बढ़त

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को टॉस जीतकर भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी की करते हुए रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की बदौलत 9 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। अक्षर पटेल ने 44 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जंपा ने चार जबकि जेवियर बार्टलेट ने तीन विकेट चटकाए। मिचेल स्टार्क ने भी दो विकेट हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया के सामने 265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 2 विकेट से जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल 9 रन बनाकर आउट हो गए जबकि विराट कोहली फिर

से शून्य पर आउट हुए। रोहत शर्मा ने 73 रन की शानदार पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 7 चौके व 2 छक्के लगाए। वहीं अय्यर अर्धशतक के साथ क्रीज पर हैं। अय्यर ने 77 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली जिसमें 7 चौके शामिल थे। केएल राहुल ने 11 जबकि सुंदर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। भारत ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है जबकि एलेक्स केरी और जेवियर बार्टलेट की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। टॉस के बाद मिचेल मार्श ने आज के मैच के लिए हमारी टीम में दो बदलाव हैं। एलेक्स केरी और जेवियर बार्टलेट ने जॉश फिलिपे और नेथन एलिस की जगह ली है। वहीं भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा हम भी पहले गेंदबाजी करना चाहते थे लेकिन पहले बल्लेबाजी करने पर भी खुश हैं। बारिश में चीजें मुश्किल हो जाती हैं और आशा करते हैं कि आज कोई बाधा नहीं आएगी। हमारी टीम में कोई बदलाव नहीं है।

रोहित-कोहली का स्वर्णिम युग सिर्फ रिकॉर्ड में नहीं बल्कि प्रशंसकों के दिलों में भी अंकित रहेगा: चैपल

एजेंसी

एडीलेड। भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि विराट कोहली का जुनून और व्यक्तिगत गौरव को अधिक तवज्जो नहीं देना तथा रोहित शर्मा की विनम्रता और कलात्मकता सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि प्रशंसकों के दिलों में भी हमेशा के लिए अंकित हो जाएगी। अपने आखिरी ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आए रोहित और कोहली करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और चैपल को लगता है कि इस जोड़ी की विरासत आंकड़ों से कहीं आगे जाती है। चैपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के लिए अपने कॉलम में लिखा, ''अब जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया आगे बढ़ेगी तो नए नाम उभरेंगे। नए कप्तान नेतृत्व करेंगे लेकिन यह स्वर्णिम अध्याय ऽ कोहली-रोहित युग ऽ सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि हर उस प्रशंसक के दिलों में अंकित रहेगा जो समझता था कि वे किस लिए खड़े हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज चैपल का मानना है कि कोहली को सिर्फ महान बल्लेबाजों की श्रेणी में रखना उनके साथ अन्याय होगा। उन्होंने लिखा, ''कोहली कभी सिर्फ बल्लेबाज नहीं थे। वह एक आंदोलन थे। उन्होंने वो दिखाया जो बहुत कम लोग कर पाते हैं ऽ एक योद्धा जैसी मानसिकता। उन्होंने भारत की एकदिवसीय टीम को एक तेज, केंद्रित और पूरी तरह से फिट टीम में बदल दिया जो घर हो या बाहर, जीतने के लिए खेलती थी। इसके बाद उन्होंने उनके खेल और व्यक्तित्व का विश्लेषण किया और बताया कि दोनों किस चीज के प्रतीक थे। चैपल ने लिखा, ''कोहली का जुनून, उनका समझौता नहीं करना, आंकड़ों से अधिक विरासत में उनका विश्वास। रोहित की शान, उनकी विनम्रता और उनकी वापसी की कहानी जिसने हम सभी को याद दिलाया कि क्रिकेट में और जिंदगी में टाइमिंग ही सब कुछ है। चैपल यह बताना नहीं भूले कि कोहली अपने कुछ पूर्ववर्तियों के विपरीत आंकड़ों के मोह में नहीं थे। उन्होंने लिखा, ''लेकिन जो बात उन्हें (कोहली) उनसे पहले आए दिग्गजों से अलग करती थी वह थी व्यक्तिगत आंकड़ों को अधिक तवज्जो नहीं देना। जहां दुनिया शतकों और कुल स्कोर की वाहवाही कर रही थी, वहीं कोहली को सिर्फ नतीजों की परवाह थी। चैपल ने लिखा, ''उन्होंने एक बार कहा था कि वह भारत के लिए खेलते हैं रिकॉर्ड के लिए नहीं ऽ एक ऐसा बयान जिसने उनके नेतृत्व को परिभाषित किया। व्यक्तिगत उपलब्धियां अक्सर भारत की क्रिकेट कहानी का केंद्र बिंदु होती थीं लेकिन कोहली कुछ बड़ा चाहते थे। उनकी पहचान विरासत थी, आंकड़े नहीं। रोहित के मामले में, पारी की शुरुआत उन्हें लाल गेंद के एक ऐसे दिग्गज खिलाड़ी में बदल गई जो विरोधियों को बेहद सटीकता से ध्वस्त कर सकता था। चैपल ने लिखा, ''जहां कोहली का उदय तेजी से हुआ और उनके जुनून ने उन्हें परिभाषित किया तो वहीं रोहित का सफर धीमी गति से महानता की ओर बढ़ने वाला था। वर्षों तक उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी चमक बिखेरी।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस, ट्रोसचियांका, यान और झांग के विश्व रिकॉर्ड को दी मान्यता

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मोंडो डुप्लांटिस के नवीनतम विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड और तीन विश्व अंडर-20 रिकॉर्ड्स को आधिकारिक मान्यता दे दी है। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने टोक्यो में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 6.30 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 12 अगस्त 2025 को बुडापेस्ट में बनाए गए 6.29 मीटर के रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का इज़ाफ़ा किया। यह उनके करियर का 14वां विश्व रिकॉर्ड और लगातार तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। डुप्लांटिस ने वर्ल्ड एथलेटिक्स के हवाले से कहा, यह मेरी कल्पना से भी बेहतर है। इस शानदार भीड़ के सामने विश्व रिकॉर्ड बनाना अविश्वसनीय है। मैं बेहद खुश हूं। इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इतिहास में पहली बार सात खिलाड़ियों ने 5.90 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पार की। वहीं 5.95 मीटर की छलांग इस बार पदक के लिए भी पर्याप्त नहीं रही। चीन की झांग जियाले और यान ज़ियी ने अगस्त में क्वुझो में हुए चीनी चैंपियनशिप में क्रमशः महिला अंडर 20 हैमर थ्रो और भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड बनाए। 18 वर्षीय झांग जियाले ने 2 अगस्त को 77.24 मीटर का थ्रो कर अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (75.14 मी.) और 2021 में फिनलैंड की सिल्जा कोसोनेन द्वारा बनाए गए 73.43 मीटर के विश्व अंडर 20 रिकॉर्ड को तोड़ा। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में भी 76.15 मीटर का थ्रो किया। बाद में टोक्यो में उन्होंने 77.10 मीटर फेंककर विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता। 17 वर्षीय यान ज़ियी ने अगले दिन, 3 अगस्त को, महिला ठ20 भाला फेंक में 65.89 मीटर का थ्रो कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने ही पिछले रिकॉर्ड 64.41 मीटर (क्वुझो 2024) और 64.83 मीटर (चेंगदू 2025) को पार किया। पोलैंड के ह्यूबर्ट ट्रोसचियांका ने 8 अगस्त को यूरोपीय अंडर-20 चैंपियनशिप (टाम्पेरे, फिनलैंड) में पुरुषों की अंडर-20 डेकैथलन (दसक्रीड़ा) में 8514 अंकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जर्मनी के निक्लास काउल के 2017 में बनाए गए 8435 अंकों के रिकॉर्ड को तोड़ा और इतिहास में पहली बार किसी अंडर-20 एथलीट ने 8500 अंकों का आंकड़ा पार किया। 100 मीटर (10.74 सेकंड), लंबी कूद (7.26मी), गोला फेंक (15.48मी), ऊंची कूद (1.94मी), 400मी (46.21 सेकंड20 डेकैथलन सर्वश्रेष्ठ), 110मी बाधा दौड़ (14.23 सेकंड), डिस्कस (43.36मी), पोल वॉल्ट: 4.80मी, भाला फेंक (68.87मी चैंपियनशिप सर्वश्रेष्ठ), और 1500मी (4:28.59 मिनट) शामिल थे। इन चारों एथलीटों के रिकॉर्ड्स को अब विश्व एथलेटिक्स ने आधिकारिक तौर पर मान्यता दे दी है, जिससे 2025 का साल एथलेटिक्स इतिहास में एक यादगार अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है।

इज़राइल के जिम्नास्टों को वीज़ा न देने पर इंडोनेशिया को आईओसी की फटकार

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बुधवार को इंडोनेशिया को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इज़राइल के खिलाड़ियों को वीज़ा न देने के कारण अब इंडोनेशिया से भविष्य में किसी भी ओलंपिक या उससे जुड़े आयोजन की मेजबानी पर बातचीत नहीं की जाएगी। दरअसल, जकार्ता में चल रही वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप (19 से 25 अक्टूबर) में इज़राइली खिलाड़ियों को हिस्सा लेने के लिए वीज़ा नहीं दिया गया। इसके खिलाफ इज़राइल जिम्नास्टिक फ़ेडरेशन ने स्पोर्ट्स मध्यस्थता न्यायालय (सीएएस) में अपील की थी, लेकिन सीएएस ने इसे खारिज कर दिया। इसके चलते इज़राइल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सके। आईओसी की कार्यकारी बोर्ड ने कहा कि, सभी पात्र खिलाड़ी, टीमें और खेल अधिकारी बिना किसी भेदभाव के अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकें — यह मेज़बान देश की जिम्मेदारी है। आईओसी ने एक आधिकारिक बयान में भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि इंडोनेशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ भविष्य में ओलंपिक खेलों, यूथ ओलंपिक, या किसी भी ओलंपिक आयोजन या सम्मेलन की मेजबानी पर कोई वार्ता नहीं की जाएगी, जब तक कि इंडोनेशियाई सरकार यह सुनिश्चित न करे कि वह सभी देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को प्रवेश की अनुमति देगी। आईओसी ने यह सिफारिश भी की कि सभी अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ इंडोनेशिया में किसी भी खेल आयोजन या बैठक की मेजबानी तब तक न करें जब तक सरकार आवश्यक गारंटी न दे दे। साथ ही, आईओसी ने इंडोनेशिया की एनओसी और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फ़ेडरेशन को लुसाने स्थित मुख्यालय में बुलाया है ताकि इस पूरे मामले पर चर्चा की जा सके। इंडोनेशियाई सरकार ने कहा कि उसने फिलिस्तीन के समर्थन में इज़राइली जिम्नास्टों को वीज़ा देने से इनकार किया। जुलाई 2023 में, इंडोनेशिया ने वर्ल्ड बीच गेम्स की मेजबानी से हाथ खींच लिया था क्योंकि इसमें इज़राइल की भागीदारी को लेकर विवाद हुआ था। मार्च 2023 में, दो प्रांतीय गवर्नरों के विरोध के बाद इंडोनेशिया से फीफा अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी छीन ली गई थी। ये दोनों घटनाएं उस समय हुई थीं जब गाज़ा में इज़राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू नहीं हुआ था। वर्तमान में वहां संघर्षविराम लागू है।

खेल संचालन अधिनियम के मसौदा नियमों पर जनता की प्रतिक्रिया के लिए 14 नवंबर की समय सीमा तय

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम के मसौदा नियमों पर आम जनता के लिए प्रतिक्रिया देने की अंतिम तिथि 14 नवंबर तय की है। इस अधिनियम का उद्देश्य देश के खेल प्रशासन और विवाद समाधान व्यवस्था में सुधार लाना है। मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी), राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी) और राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) के मसौदा नियमों को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया है और जनता से प्रतिक्रिया मांगी है। मंत्रालय ने कहा, ''ये नियम राष्ट्रीय खेल संचालन अधिनियम 2025 के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए हैं।

अभिनव बिंद्रा को 2026 शीतकालीन ओलंपिक का मशालवाहक चुना गया

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को अगले वर्ष होने वाले शीतकालीन ओलंपिक 2026 के लिए मशालवाहक के रूप में चुना गया है। यह खेल आयोजन 6 से 22 फरवरी, 2026 तक मिलान और कोर्टिना डी'अमपेत्जो (इटली) में आयोजित किया जाएगा। अभिनव बिंद्रा ने इस अवसर पर अपनी खुशी सोशल मीडिया पर व्यक्त करते हुए लिखा, मिलानो कोर्टिना 2026 ओलंपिक टॉर्च रिले के लिए मशालवाहक के रूप में चुना जाना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। ओलंपिक मशाल हमेशा मेरे दिल के करीब रही है – यह सपनों, दृढ़ता और खेलों के जरिए विश्व एकता का प्रतीक है। इसे फिर से लेकर चलना मेरे लिए सम्मान और प्रेरणा दोनों है। इस अद्भुत सम्मान के लिए मिलानो कोर्टिना 2026 का धन्यवाद। बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

श्रृंखला 1-1 से की बराबर

एजेंसी

रावलपिंडी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को रावलपिंडी टेस्ट में आठ विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। स्पिन जोड़ी केशव महाराज और साइमन हार्मर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए मेज़बानों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। महाराज ने मैच में कुल 9 विकेट (9/136) जबकि हार्मर ने 8 विकेट (8/125) हासिल किए। छोटे लक्ष्य 68 रन का पीछा करते हुए एडन मार्करम और रयान रिकेलटन ने आसान जीत दिलाई। पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 404 रन बनाए थे और 71 रनों की बढ़त हासिल की थी। चौथे दिन की शुरुआत में पाकिस्तान का स्कोर 94/4 था और कप्तान बाबर आज़म 49 रन बनाकर

क्रीज़ पर डटे हुए थे। उन्होंने पचासा पूरा किया, लेकिन कुछ ही गेंद बाद साइमन हार्मर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर मेज़बानों को बड़ा झटका दिया। इसके बाद पाकिस्तान की पारी बिखरती चली गई। मोहम्मद रिज़वान का कैच शॉर्ट लेग पर लपका गया और इसी के साथ हार्मर ने अपनी पारी की पांचवीं सफलता हासिल की। कुछ देर बाद नोमान अली भी विकेटकीपर को कैच थमा बैठे, जिससे हार्मर ने अपने फ़र्स्ट-क्लास करियर का 1000वां विकेट झटका। शाहीन अफरीदी रन आउट होकर लगातार तीसरी बार शून्य (डक) पर आउट हुए। सलमान अली आगा ने स्वीप और रिवर्स स्वीप से दो चौके जरूर लगाए, लेकिन वह भी केशव महाराज की गेंद पर बोल्ड हो गए। महाराज ने इसके बाद साजिद खान को स्टंप कराकर पाकिस्तान की पारी 138 रन पर समेट दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए एडन मार्करम ने शानदार बैटिंग की और स्पिन तिकड़ी ऽ नोमान अली, साजिद खान और आसिफ अफरीदी ऽ को चारों ओर बाउंड्री लगाईं। मार्करम 42 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स स्लिप में कैच दे बैठे। अंत में रयान रिकेलटन (25)* ने सीधे छक्के से मैच समाप्त किया और दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

भारत को सीओपी (एशिया-प्रशांत) का उपाध्यक्ष चुना गया

नयी दिल्ली। भारत को पेरिस में आयोजित खेल में डोपिंग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीओपी एशिया-प्रशांत) की 20वीं वर्षगांठ बैठक में पुनः उपाध्यक्ष चुना गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य लोग भी शामिल हुए। यह सम्मेलन 20 से 22 अक्टूबर तक फ्रांस की राजधानी स्थित यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित किया गया। खेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह बैठक सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जो विश्व स्तर पर खेलों में अखंडता को बढ़ावा देने और डोपिंग को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय साधन है। सचिव (खेल) हरि रंजन राव और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के महानिदेशक अनंत कुमार की मौजूदगी वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 190 से अधिक सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

भारत के प्रसंस्कृत आलू उत्पाद दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में बना रहे हैं अपनी पकड़ : जीटीआरआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के प्रसंस्कृत आलू उत्पाद दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में अपनी पैठ बढ़ा रहे हैं। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि निर्जलित (डिहाइड्रेटेड) आलू के दानों एवं पेलेट्स का निर्यात 2021-22 के 1.14 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 6.33 करोड़ डॉलर हो गया है जिससे यह भारत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात श्रेणी बन गई है। निर्जलित आलू के दाने एवं पेलेट्स३सूखे हुए आलू उत्पाद हैं जो 'मैश' किए हुए आलू के लिए एक सुविधाजनक विकल्प हैं, जिन्हें पानी डालकर फिर से तैयार किया जा सकता है। अन्य प्रसंस्कृत आलू उत्पादों के निर्यात जो अच्छी वृद्धि दर दर्ज कर रहे हैं, उनमें आटा, स्टार्च, चिप्स और रेडी-टू-ईट (खाने के लिए तैयार) आदि शामिल हैं। इन वस्तुओं का निर्यात 2021-22 के 62 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़कर गत वित्त वर्ष 2024-25 में 1.88 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''लगभग 80 प्रतिशत निर्यात मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, जापान और थाइलैंड को जाता है जो दक्षिण पूर्व एशिया के 'स्नैक' और सुविधाजनक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में भारत के एकीकरण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य नए निर्जलीकरण संयंत्रों, अनुबंध खेती एवं 'कोल्ड-चेन' बुनियादी ढांचे के साथ इस तेजी को बढ़ावा दे रहे हैं जिसे 5.6 करोड़ टन वार्षिक आलू की फसल का समर्थन प्राप्त है। श्रीवास्तव ने कहा कि जहां यूरोप ऊर्जा लागत एवं अनियमित फसलों से जूझ रहा है और चीन घरेलू मांग को प्राथमिकता दे रहा है३वहीं भारत, एशिया के 'स्नैक' और क्यूएसआर (त्वरित-सेवा रेस्तरां) उद्योगों के लिए एक विश्वसनीय, कम लागत वाला, साल भर उपलब्ध आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। मलेशिया, भारत का सबसे बड़ा डिहाइड्रेटेड आलू के दानों एवं पेलेट्स का खरीदार है जिसका आयात 51 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2.21 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है। इसके बाद फिलीपीन और इंडोनेशिया का स्थान है। श्रीवास्तव ने बताया कि जापान और थाइलैंड ने भी अपनी खरीदारी बढ़ा दी है। इन पांच देशों का भारत के कुल निर्यात में लगभग 80 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति पक्ष पर, गुजरात और उत्तर प्रदेश भारत की प्रसंस्करण महाशक्ति बन गए हैं।

पावरग्रिड ने 3,375 करोड़ रुपये की दो प्रमुख परियोजनाओं का किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 3,375 करोड़ रुपये की दो प्रमुख परियोजनाओं का अधिग्रहण किया है। ये परियोजनाएं भारी लोड वाले पारेषण गलियारों पर भार कम करने, बिजली की विश्वसनीयता में सुधार लाने और विभिन्न क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा के निर्बाध हस्तांतरण को सुगम बनाने में मदद करेंगी। पावरग्रिड ने बयान में कहा कि इसके अतिरिक्त, वे आगामी पंप स्टोरेज परियोजनाओं से बिजली की निकासी में भी सहयोग करेंगे जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा एवं ग्रिड स्थिरता लक्ष्यों में योगदान मिलेगा। कंपनी ने कहा कि उसने शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से दो एसपीवी (विशेष इकाई) विंध्याचल वाराणसी ट्रांसमिशन लिमिटेड और एसआर डब्ल्यूआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल किए हैं।

लिवरपूल ने चैंपियन्स लीग में एंट्रेक्ट फ्रेंकफर्ट को हराया, चेल्सी और बायर्न भी जीते

एजेंसी

मिलान। लिवरपूल ने बुधवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में एंट्रेक्ट फ्रेंकफर्ट को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से हराकर प्रतियोगिता में वापसी की। चेल्सी और बायर्न म्यूनिख ने भी आसान जीत दर्ज की जबकि रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने यूवेंटस को 1-0 से हराकर मौजूदा सत्र का अपना परफ़ेक्ट रिकॉर्ड बरकरार रखा। लिवरपूल ने इस जीत के साथ लगातार चार हार के क्रम को तोड़ दिया। रासमस क्रिस्टेनसन ने 26वें मिनट में फ्रेंकफर्ट को बढ़त दिलाई लेकिन नौ मिनट बाद फ्रेंकफर्ट के पूर्व खिलाड़ी ह्यूगो एकिटिके ने लिवरपूल को बराबरी दिला दी। लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वान डिक और इब्राहिमा कोनात के इसके बाद पांच मिनट के भीतर दो गोल दागकर अपनी टीम को मध्यांतर तक 3-1 से आगे कर दिया। कोडी गैप्को और डोमीनिक सोबोसलाई ने दूसरे हाफ में गोल दागकर लिवरपूल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। दूसरी तरफ रीयाल मैड्रिड ने 57वें मिनट में ज्यूड बेलिंघम के चैंपियन्स लीग में पहले गोल की बदौलत लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मैड्रिड और बायर्न सहित पांच क्लब अधिकतम नौ अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। चेल्सी ने अजैक्स को 5-1 से हराया जबकि बायर्न म्यूनिख ने क्लब ब्रूग को 4-0 से शिकस्त दी। एथलेटिक बिलबाओ ने काराबेग को 3-1 से हराकर मौजूदा चैंपियन्स लीग में अपने शुरुआती अंक जुटाए। गैलाटेसराय ने बोडो ग्लिम्ट को 3-1 से हराया जबकि स्पोर्टिंग लिस्बन ने मार्सिले को 2-1 से शिकस्त दी। टोटेनहैम और अटलांटा ने क्रमशः मोनाको और स्लाविया प्राग से गोल रहित ड्रॉ खेला।

रूसी कंपनियों पर प्रतिबंधों से रिलायंस को झटका पीएसयू व्यापारियों के जरिये तेल खरीदती रहेंगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों से रिलायंस इंडस्ट्रीज के रूस से कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ने के आसार हैं जबकि सरकारी रिफाइनरियां फिलहाल मध्यस्थ व्यापारियों के माध्यम से खरीद जारी रख सकती हैं। उद्योग जगत के सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां अनुपालन जोखिमों का आकलन कर रही हैं, लेकिन रूसी कच्चे तेल के प्रवाह को तुरंत रोकने की संभावना नहीं है क्योंकि वे अपनी आवश्यकता का सभी तेल व्यापारियों से खरीदते हैं जिनमें से अधिकतर यूरोपीय व्यापारी हैं (जो प्रतिबंधों के दायरे से बाहर हैं)। उन्होंने कहा कि उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को अपने आयात को फिर से संतुलित करना पड़ सकता है क्योंकि यह सीधे रूस की 'रोसनेफ्ट' से कच्चा तेल खरीदती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार है और रूस से देश के प्रतिदिन 17 लाख बैरल आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। रिलायंस ने दिसंबर 2024 में रूस की कंपनी रोसनेफ्ट (जो अब प्रतिबंधित है) के साथ 25 वर्ष तक प्रतिदिन 5,00,000 बैरल रूसी तेल आयात करने के लिए एक सावधिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह बिचौलियों से भी तेल खरीदता है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में भाई दूज के दिन भी गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आज लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई है। आज के कारोबार में सोना 4,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक टूट गया है। वहीं, चांदी आज 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुई इस कमी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये से लेकर 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,15,390 रुपये से लेकर 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में

बड़ी गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,26,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,15,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,25,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,26,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,15,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,15,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

भ्रष्टाचार पर मदरसा शिक्षा परिषद का चाबुक

कार्यवाहक प्रधानाचार्य पर एफआईआर के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलरामपुर। जनपद के राज्यानुदानित मदरसा जामिया अहले सुन्नत फखरुल उलूम में भ्रष्टाचार और प्रबंधन विवाद को लेकर मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ ने बड़ी कार्रवाई की है। परिषद की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी बलरामपुर को निर्देश दिया है कि मदरसे के कार्यवाहक प्रधानाचार्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए, साथ ही मदरसे की मान्यता निलंबन हेतु पत्रावली शीघ्र परिषद कार्यालय को भेजी जाए। रजिस्ट्रार द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि उक्त मदरसे के कार्यवाहक प्रधानाचार्य ने शासनादेशों की अवहेलना की है तथा शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न की है। परिषद ने पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि मदरसे में कार्यरत शिक्षक अब्दुल वहाब को कार्यवाहक प्रधानाचार्य का चार्ज सौंपा जाए, किंतु वर्तमान कार्यवाहक प्रधानाचार्य ने आदेशों का पालन नहीं किया। परिषद ने इसे गंभीरता से लेते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई (FIR) के निर्देश जारी किए हैं। इससे पूर्व मदरसे में चल रहे विवाद को लेकर कई बार जांच और पत्राचार किए गए। स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। 25 सितंबर 2025 को मदरसा बोर्ड ने स्पष्ट आदेश जारी कर वर्तमान कार्यवाहक प्रधानाचार्य को हटाने और अब्दुल वहाब को कार्यभार देने का निर्देश दिया था लेकिन आदेशों की अनदेखी हुई। इस पर मदरसा बोर्ड लखनऊ के द्वारा 17 अक्टूबर को चार्ज दिलाने का निर्देश देते हुए एफआईआर का निर्देश जिला अल्पसंख्यक अधिकारी को दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मदरसे के संचालन और प्रबंधन को लेकर वर्ष 2018 से विवाद चल रहा है। मामला उच्च न्यायालय और आयुक्त गोंडा के समक्ष भी पहुंचा था। वर्ष 2023 को आयुक्त गोंडा ने निर्णय देते हुए वर्तमान प्रबंध समिति को भंग कर दिया था। इसके बाद मदरसे का संचालन सिंगल ऑपरेशन प्रणाली के तहत केयरटेकर के माध्यम से किया गया। बाद में कमेटी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर केयरटेकर व्यवस्था समाप्त कर दी गई। पूर्व प्रधानाचार्य अब्दुल वहाब ने बताया कि मदरसा बोर्ड ने उन्हें पुनः बहाल कर दिया है लेकिन स्थानीय स्तर पर उन्हें अब तक चार्ज नहीं दिया गया है।

सुलतानपुर में शॉर्ट सर्किट से घर-गोदाम में लगी आग, लाखों का नुकसान

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के कृष्णा नगर में बीती रात एक मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। यह रिहायशी मकान था, जिसमें कपड़े का गोदाम भी बना हुआ था। आग की लपटें गोदाम तक पहुंचने से लाखों का भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम देर से पहुंची, जिसके बाद मोहल्ले वालों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। घटना नगर के कृष्णा नगर निवासी छोटे लाल सोनी के घर में हुई। आग लगने पर मोहल्ले में हड़कंप मच गया। छोटे लाल के परिवार के सदस्यों ने सजगता दिखाई और सभी सामान छोड़कर घर से बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, घर में बने कपड़े के गोदाम में आग फैलने से लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय निवासी बबलू जायसवाल ने बताया कि उन्होंने सबसे पहले बिजली कटवाई और फायर ब्रिगेड व डायल 112 को सूचना दी। उन्होंने आरोप लगाया कि फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने में देरी हुई। इसके बाद उन्होंने और अन्य मोहल्ले वालों ने समरसेबल और बाल्टियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि घर में लगे जालीदार दरवाजे से पटाखे की चिंगारी अंदर चली गई, जिससे कंबल में आग लग गई और उसने विकराल रूप ले लिया। नुकसान का सही आकलन आग बुझने के बाद ही हो पाएगा। इसी दौरान, बचाव व्यवस्था में जुटे भाजपा नगर उपाध्यक्ष हिमांशु गुप्ता ने दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे भाजपा सभासद दिनेश चौरसिया ने हिमांशु गुप्ता के साथ अभद्रता की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद पीड़ित हिमांशु गुप्ता ने सभासद दिनेश चौरसिया के खिलाफ नगर कोतवाली में शिकायत पत्र दर्ज कराया है।

डाला छठ महापर्व : काशी में व्रतियों और उनके परिजनों की सुरक्षा के लिए गंगाघाटों पर पुख्ता इंतजाम

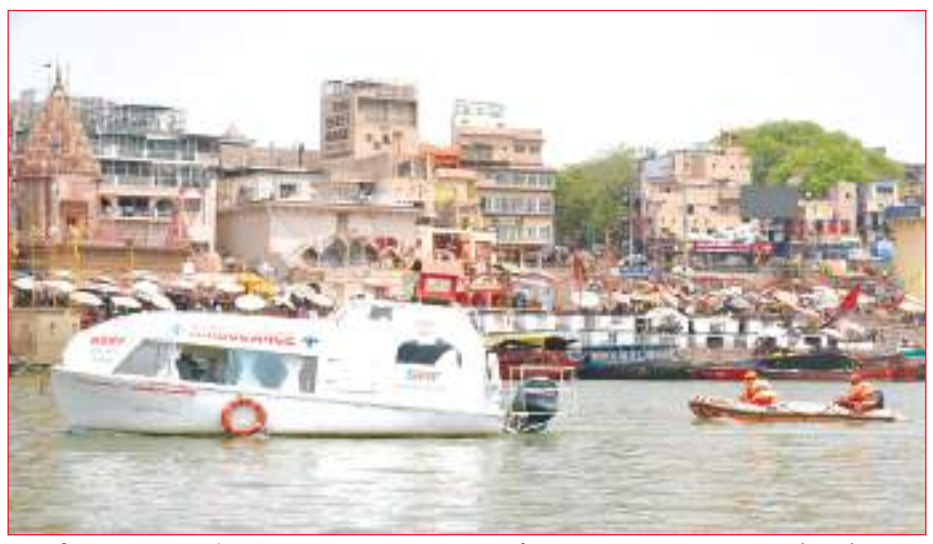

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। सूर्योपासना के महापर्व डाला छठ की शुरुआत 25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ होगी। लोक आस्था के इस महा पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं के गंगा तटों पर उमड़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर घाटों, सरोवरों और कुंडों पर सुरक्षा व चिकित्सा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। डाला छठ पर अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने आने वाले व्रतियों की सुरक्षा के लिए 11 एनडीआरएफ बटालियन की टीमें गंगा घाटों पर तैनात रहेंगी। इन टीमों में प्रशिक्षित गोताखोरों, पैरामेडिकल स्टाफ और बचावकर्मियों को शामिल किया गया है। एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने गुरूवार को बताया कि वाराणसी, बीएलडब्ल्यू और चंदौली जिलों में कुल सात टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक टीम में 30 प्रशिक्षित जवान होंगे, जो हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे। सभी टीमों को रेस्क्यू मोटर बोट, वॉटर एम्बुलेंस, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, ऑक्सीजन सिलेंडर, और अन्य बचाव उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा और बचाव के सभी इंतज़ाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। गंगा तटों के अलावा बरेका सूर्य सरोवर और चंदौली जिले के विभिन्न घाटों पर भी एनडीआरएफ की टीमें मुस्तैदी से तैनात रहेंगी। वाहिनी मुख्यालय से व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुँचाई जा सके। मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि एनडीआरएफ की सभी टीमें पूरी सतर्कता और तत्परता के साथ घाटों पर तैनात रहेंगी, ताकि छठ व्रतियों को बिना किसी बाधा के सूर्योपासना का पवित्र अनुष्ठान संपन्न करने में सुविधा मिल सके। चंदौली जिले में भी एनडीआरएफ की इकाइयाँ सक्रिय रहेंगी। वाहिनी मुख्यालय में 24 घंटे जवान तैनात हैं, जो आसपास के क्षेत्रों में किसी भी संकट से निपटने को तैयार हैं।

छठ पर्व पर यात्रियों को सुविधा के लिए बसों का संचालन तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। छठ पर्व के अवसर पर पूर्वांचल के लोग अपने घर पहुंच रहे हैं। रेलवे के साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) भी लोगों की यात्रा सुगम बनाने के लिए कमर कस लिया है। बसों का संचालन तेज हो गया है। देवरिया डिपो से 8 बसें वर्तमान में दिल्ली के लिए रवाना की गई हैं, जबकि 2 बसें नियमित रूप से दिल्ली मार्ग पर संचालित होती हैं। इसके अलावा डिपो से कानपुर और लखनऊ के लिए भी बसें प्रतिदिन चलाई जा रही हैं। प्रयागराज (इलाहाबाद) मार्ग पर 1 बस, वाराणसी मार्ग पर 1 बस, लखनऊ के लिए 9 बसें और कानपुर के लिए 11 बसें नियमित रूप से चल रही हैं। देवरिया डिपो से दिल्ली, कानपुर और लखनऊ मार्ग पर 6 प्रमुख रूट संचालित हैं। इन पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बस संचालन के लिए डिपो को कुल 180 ड्राइवरों की आवश्यकता बताई गई है लेकिन 117 चालक कार्यरत हैं। इनमें से 94 चालक स्थायी (नियमित) हैं और 23 चालक अनुबंध पर कार्य कर रहे हैं। वहीं 144 चालक अनुबंधित रूप से जुड़े हुए हैं, जो विभिन्न बस रूटों पर तैनात हैं। चालकों की कमी के कारण कुछ बसों के संचालन में दिक्कतें भी सामने आई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए विभाग नई भर्ती की तैयारी कर रहा है।

दिल्ली से पटना साहिब तक की 'पवित्र जोड़ा साहिब' यात्रा 24 अक्टूबर को आगरा पहुंचेगी

आगरा। सिखों के दसवें गुरु, गोबिंद सिंह जी और उनकी पत्नी माता साहिब कौर के पवित्र चरण पादुकाओं ''जोड़े साहिब'' की चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा 23 अक्टूबर गुरुवार को गुरुद्वारा मोती बाग साहिब दिल्ली से प्रारंभ होगी जो 24 अक्टूबर को आगरा मथुरा रोड स्थित गुरुद्वारा गुरु के ताल पर पहुंचेगी। गुरुवार 23 अक्टूबर को दिल्ली के गुरुद्वारा मोती बाग साहिब से सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह महाराज और उनकी पत्नी माता साहिब कौर जी के चरण पादुकाओं की 'पवित्र जोड़ा साहब' की चरण सुहावे गुरचरन यात्रा 'पवित्र जोड़ा साहिब' को लेकर दिल्ली गुरुद्वारा से प्रारंभ होगी। जो 1 नवंबर को तख़्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जन्म स्थान पहुंचेगी जहां इन यादगार अवशेषों को स्थायी रूप से रखा जाएगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

जिला जेल में बंद भाइयों का तिलक करने पहुंची 800 से अधिक बहनें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिला कारागार में गुरुवार को भैया दूज का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जेल प्रशासन की ओर से मिलाई के लिए विशेष इंतजाम किये गये। जेल में बंद भाइयों को तिलक करने के लिए सुबह से ही बहनों की लंबी-लंबी कतार जेल गेट पर नजर आईं। दोपहर तक लगभग 800 से अधिक बहनों ने अपने भाइयों के तिलक किया। वहीं कुछ पुरुषों ने जेल में बंद बहनों के पास पहुंच कर भैया दूज मनाया। भैया दूज के त्योहार पर तिलक करने के लिए सुबह से जेल गेट पर महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था। जिला कारागार के मुख्य द्वार पर तलाशी के बाद बहनों को तिलक की सामग्री और मिष्ठान के साथ अंदर प्रवेश दिया गया। जेल परिसर में उन्हें भाइयों से मिलने का अतिरिक्त समय दिया गया। इसके लिए परिसर में टेंट भी लगाया गया। ताकि सभी एक जगह बैठ कर तिलक कर सकें। इस दौरान लंबे समय बाद जेल में बंद भाइयों से मिल कर किसी की आंख से आंसू छलके तो कोई बहन भाई से लिपट कर रोने लगी। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक करके उनके दीर्घायु की कामना की। जेल प्रशासन की ओर से बहनों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था भी की गई । बंदियों को भी हलवा पूड़ी खिलाया गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आलोक सिंह ने बताया कि भैया दूज पर बंदियों और उनसे मिलने वालों को दिक्कत न हो इसके लिए कुछ छूट भी दी गई। दोपहर तक 800 से महिलाओं व बालिकाओं और कुछ पुरुषों ने जेल पहुंच कर भैया दूज का त्योहार मनाया।

सादी वर्दी में जुआ पकड़ने गए चौकी प्रभारी की महिलाओं से हुई झड़प, एसपी ने किया निलम्बित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में सादी वर्दी में जुए के फड़ में दबिश देना चौकी प्रभारी को महंगा पड़ गया । पुलिसिया कार्यवाही से नाराज लोगों ने दरोगा को घेर लिया और जुआरियों से बरामद रुपयों की मांग करते हुए छीना झपटी शुरू कर दी। सादी वर्दी में पुलिस कर्मियों और महिलाओं के बीच हुई झड़प का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि विवाद बढ़ता देख चौकी प्रभारी ने महिलाओं के रूपये वापस कर दिए। वीडियो वायरल होने से पुलिस की किरकिरी हो रही है। दीपावली त्यौहार के दिन जनपद के चरखारी कोतवाली क्षेत्र की गौरहारी चौकी प्रभारी प्रशांत दीक्षित मुखबिर की सूचना पर दो सिपाहियों के साथ सादी वर्दी में गुढ़ा गांव में जुए के फड़ में दबिश देने गए थे। जहां पुलिस ने चार जुआरियों को हिरासत में लेकर उनसे 1170 रूपये बरामद किए। पुलिस की इस कार्यवाही से ग्रामीण भड़क गए और महिलाओं के साथ चौकी प्रभारी को घेर कर अभद्रता शुरू कर दी। वायरल वीडियो में ग्रामीण दरोगा से अपने पैसे मांगते हुए सुनाई दे रहे हैं। कह रहे हैं कि साहब हमारे पैसा दे दो। जिसके बाद महिलाएं चौकी प्रभारी से रुपयों को लेकर भिड़ जाती हैं ओर दरोगा से छीना झपटी कर मोबाइल छीनने की कोशिश करती हैं। लेकिन दरोगा साहब बेबस और लाचार नजर आ रहे हैं। बाद में महिलाओं से घिरे चौकी प्रभारी ग्रामीणों का आक्रोश देख पैसा वापस करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने वायरल वीडियो को संज्ञान लेते हुए चौकी प्रभारी प्रशांत दीक्षित पर सख्त एक्शन लेते हुए निलम्बित कर दिया है तो वहीं दो सिपाहियों कामिल और कुलदीप सिंह को भी लाइन हाजिर किया है।

दीपावली स्नेह मिलन : भाजपा पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मीठा खिला कर दी शुभकामना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी के सिगरा स्थित भारतीय जनता पार्टी के महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि की अध्यक्षता में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामना देकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पहुंचे राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने महाकवि निराला द्वारा रचित 'राम की शक्ति पूजा' का प्रेरक संदर्भ प्रस्तुत किया। वही, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने रामायण और तुलसी मानस से उदाहरण देते हुए कहा कि दीपावली केवल उत्सव नहीं, बल्कि धर्म, न्याय और मर्यादा की विजय का सांस्कृतिक संदेश भी है। इस अवसर पर कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, और महापौर अशोक तिवारी ने दीपावली को सकारात्मकता, सद्भाव और सेवा भावना का पर्व बताते हुए संगठन की सक्रियता और एकजुटता पर बल दिया। अध्यक्षता कर रहे महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने सभी कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम में विवेक पांडेय, राजीव सिंह, अरुण सिंह, मधुप सिंह, कुंवर कांत, अवधेश राय, रचना अग्रवाल, साधना वेदांती, चंद्रशेखर उपाध्याय, नवीन कपूर, अशोक पटेल, राहुल सिंह, जगदीश त्रिपाठी, जे.पी. सिंह, प्रीति सिंह, जितेंद्र पटेल, मधुकर चित्रांश, अजय गुप्ता, बबलू सेठ, बृजेश चौरसिया, प्रमोद यादव (मुन्ना) सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वाराणसी में भाईदूज पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया, बहनों ने परंपरागत रूप से कूटा गोधन

- 'गोधन भइया चलले अहेरिया, खिलिच बहना दे लीं आशिष, जिउसहू मोरा भइया' जैसे पारम्परिक गीत गाकर भाइयों के लम्बी उम्र की कामना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी)में गुरुवार को कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि पर भाईदूज का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों और उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया। बहनों ने भाइयों के दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए व्रत रखा और पारंपरिक विधि से 'गोधन कूटने' की रस्म निभाई। जिले के शहरी इलाके, कस्बों और ग्रामीण इलाकों में बहनों ने घरों के बाहर एवं गलियों में साफ-सफाई कर गोबर से गोधन चक्र बनाया। आयु चक्र में गूंग भटकइया सहित पूजन सामग्री रख उसे सजाया गया और परंपरा अनुसार बुजुर्ग महिलाओं की देखरेख में मूसल (ओखली) से गोधन कूटा गया। इस दौरान बहनों ने पारंपरिक गीत गोधन भइया चलले अहेरिया, खिलिच बहना दे लीं आशिष, जिउसहू मोरा भइया

गाकर भाइयों की लंबी उम्र की कामना की। व्रत-पूजन के बाद बहनों ने गोधन चक्र पर रखे गूंग भटकइया के कांटे को अपनी जीभ से स्पर्श कर भाइयों की सलामती की प्रार्थना की। इसके बाद घर आकर भाइयों की आरती उतारी, तिलक लगाया और उन्हें मिठाई एवं प्रसाद खिलाया। बदले में भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया और उपहार भेंट किए। त्योहार को लेकर शहर के बाजारों में विशेष रौनक रही। मिठाई और उपहार की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही। वहीं, कैंट स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड और निजी बस अड्डों पर मायके आने-जाने वाली विवाहित बहनों की चहल-पहल दिनभर बनी रही। स्थानीय परंपरा के अनुसार, गोवर्धन पूजा की बेदी पर बहनें मिठाई, चना और गूंग भटकइया का पौधा रखती हैं। पूजा से पूर्व इस पौधे को 'श्राप' देने की परंपरा है, किंतु मान्यता है कि पूजा के उपरांत यही श्राप 'आशीर्वाद' में बदल जाता है। भाईदूज पर्व की उत्पत्ति सूर्यदेव की पत्नी छाया और उनकी संतान यमराज व यमुना से जुड़ी है। कथा के अनुसार, यमुना अपने भाई यमराज से बार-बार घर आने का आग्रह करती थीं, परंतु वे अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण टाल देते थे। एक दिन, कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज बहन के घर पहुंचे। यमुना ने उनका आदरपूर्वक स्वागत किया और स्वादिष्ट भोजन कराया। प्रसन्न होकर यमराज ने यमुना से वरदान मांगने को कहा। यमुना ने कहा कि आप हर वर्ष इस दिन मेरे घर आएं और जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करेगा, उसे आपके (यमराज के) भय से मुक्ति मिले। यमराज ने ह्लतथास्तुङ्क कहा और तभी से यह परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि जो भाई कार्तिक शुक्ल द्वितीया के दिन अपनी बहन से टीका लगवाता है, उसे यमराज का भय नहीं रहता।